सच बोलने की हिम्मत

राजधानी चौपाल

RNI No. HARHIN/25/A3341

अंक : 07 | वर्ष : 01 | साप्ताहिक (15 से 21 फरवरी 2026) | पृष्ठ 8 | मूल्य : 5/- रुपये | E-mail : rajdhanichoupal@gmail.com

राजधानी चौपाल
समाचार पत्र में किसी भी प्रकार के समाचार, विज्ञप्ति और विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें...
94169-26329
93068-13001

मानेसर में नशा मुक्ति पर गंभीर चर्चा, मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव ने सराहा 'राजधानी चौपाल' का प्रयास

मानेसर में बदलाव की मिसाल

मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव से मुलाकात, कार्यों की सराहना की...

सराहनाः मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव ने 'राजधानी चौपाल' के नशा मुक्ति अभियान को बताया समय की मांग

मुलाकातः संपादक राहुल हिंदुस्तानी ने मेयर को भेंट की अखबार की प्रति, क्षेत्र के मुद्दों पर रखा फीडबैक

विजनः स्वच्छता, बेहतर बुनियादी ढांचा और युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए साझा रणनीति पर बनी सहमति

मानेसर (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के औद्योगिक हब और उभरते हुए आधुनिक शहर मानेसर की विकास गाथा में आज एक नया अध्याय जुड़ गया। अवसर था—राजधानी चौपाल अखबार के प्रखर संपादक और सामाजिक सरोकारों के लिए सदैव तत्पर रहने वाले युवा पत्रकार राहुल हिंदुस्तानी की मानेसर के प्रथम नागरिक, मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव से एक विशेष और शिष्टाचार भेंट का।

यह मुलाकात केवल औपचारिकता तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसने मानेसर के भविष्य, युवाओं की दशा, स्वच्छता के मापदंडों और सबसे महत्वपूर्ण—समाज को दीमक की तरह चाट रहे 'नशे' के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध का शंखनाद कर दिया। नगर निगम कार्यालय में आयोजित इस बैठक के दौरान वातावरण में केवल सरकारी फाइलों की सरसराहट नहीं, बल्कि जनहित के प्रति अटूट संकल्प की गूंज सुनाई दी।

नशा मुक्ति हरियाणाः राजधानी चौपाल का महा-अभियान

मुलाकात का मुख्य केंद्र बिंदु राजधानी चौपाल द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाया जा रहा 'नशा मुक्त हरियाणा' अभियान रहा। संपादक राहुल हिंदुस्तानी ने मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव को अखबार का ताजा अंक भेंट करते हुए इस अभियान की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि किस प्रकार राजधानी चौपाल केवल खबरों को छापने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह एक मिशन है—हरियाणा की युवा पीढ़ी को नशे के गर्त से बाहर निकालने का। राहुल हिंदुस्तानी ने जोर देकर कहा कि मानेसर जैसे औद्योगिक क्षेत्र में, जहाँ देश-दुनिया से आए युवा काम करते हैं, वहाँ नशे का प्रसार रोकना एक बड़ी चुनौती है। राजधानी चौपाल ने संकल्प लिया है कि वह हर गांव, हर गली और हर सेक्टर तक नशा मुक्ति का संदेश पहुँचाएगा।

मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव का विजनः प्रशंसा और प्रोत्साहन

राजधानी चौपाल के प्रयासों को करीब से देखते हुए और अखबार की प्रति का अवलोकन करने के बाद मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव के चेहरे पर संतोष के भाव स्पष्ट थे। उन्होंने इस सामाजिक पहल की मुक्त कंठ से सराहना की। मेयर ने कहा, 'मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ इसीलिए कहा जाता है क्योंकि इसमें समाज को दिशा देने की शक्ति होती है।

अक्सर हम अखबारों में अपराध और राजनीति की खबरें तो पढ़ते हैं, लेकिन जब कोई समाचार पत्र 'नशा मुक्ति' जैसे संवेदनशील और ज्वलंत मुद्दे को अपना मुख्य एजेंडा बनाता है, तो वह समाज के प्रति अपनी जवाबदेही सिद्ध करता है। राजधानी चौपाल और राहुल हिंदुस्तानी बधाई के पात्र हैं कि वे समाज के अंतिम व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं।'

मानेसर का विकासः स्वच्छता और व्यवस्था सुधार पर मंथन

चर्चा का सिलसिला आगे बढ़ा तो मानेसर के बुनियादी ढांचे और विकास कार्यों पर भी विस्तृत बात हुई। राहुल हिंदुस्तानी ने मेयर के समक्ष क्षेत्र की जनता की अपेक्षाओं और वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट्स पर फीडबैक साझा किया। मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव ने बताया कि मानेसर नगर निगम को एक 'मॉडल कॉर्पोरेशन' बनाने के लिए दिन-रात काम किया जा रहा है।

निम्नलिखित बिंदुओं पर विशेष प्रकाश डाला

- **स्वच्छता अभियानः** शहर को कूड़ा मुक्त बनाने के लिए डोर-टू-डोर कलेक्शन और वेस्ट मैनेजमेंट पर जोर दिया जा रहा है।
- **जनभागीदारीः** प्रशासन और जनता के बीच की दूरी कम करने के लिए वार्ड स्तर पर जनसुनवाई की जा रही है।
- **युवा सशक्तिकरणः** युवाओं को खेलों और कौशल विकास से जोड़ना, ताकि उनका ध्यान नशे जैसी बुराइयों की तरफ न जाए।
- **प्रशासनिक पारदर्शिताः** भ्रष्टाचार मुक्त शासन और फाइलों का त्वरित निपटान।

साफ नीयत, सही विकासः संपादक राहुल हिंदुस्तानी के विचार

मुलाकात के उपरांत मीडिया से मुखातिब होते हुए संपादक राहुल हिंदुस्तानी ने मेयर की कार्यशैली पर अपनी बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'मानेसर की किस्मत है कि उसे डॉ. इंद्रजीत यादव जैसा पढ़ा-लिखा और जमीन से जुड़ा नेतृत्व मिला है। उनकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि वे समस्या को सुनने के लिए सदैव उपलब्ध रहते हैं। जब नीयत साफ हो, तो विकास कार्य अपने आप धरातल पर दिखने लगते हैं। राजधानी चौपाल का उद्देश्य हमेशा से सकारात्मक पत्रकारिता रहा है और हम मानेसर के हर उस अच्छे कार्य को प्रमुखता से दिखाएंगे जो जनता के हित में हो।

भविष्य की रणनीति : प्रशासन और मीडिया का समन्वय

बैठक के समापन पर यह सहमति बनी कि समाज से नशे की बुराई को मिटाने के लिए प्रशासन और मीडिया को एक सेतु के रूप में काम करना होगा। मेयर ने आश्वासन दिया कि नगर निगम मानेसर, राजधानी चौपाल के सामाजिक अभियानों में हर संभव सहयोग करेगा। उन्होंने अपील की कि समाज के प्रबुद्ध वर्ग, आरडब्ल्यूए और युवाओं को इस अभियान से जुड़ना चाहिए।

बदलाव की गूँज

यह मुलाकात इस बात का प्रमाण है कि जब कलम की ताकत और प्रशासनिक इच्छाशक्ति एक साथ मिल जाती है, तो समाज की तस्वीर बदलना निश्चित है। राजधानी चौपाल ने एक बार फिर यह साबित किया है कि उसकी प्राथमिकता केवल सुर्खियां बटोरना नहीं, बल्कि व्यवस्था परिवर्तन की नींव रखना है। मानेसर की सड़कों से लेकर सत्ता के गलियारों तक, इस मुलाकात की चर्चा जोरों पर है और इसे क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए एक शुभ संकेत माना जा रहा है। **राजधानी चौपाल का संकल्पः हम रुकेंगे नहीं, हम थकेंगे नहीं, जब तक हरियाणा नशा मुक्त नहीं होगा, तब तक हमारी कलम चलती रहेगी।**

36 हजार छात्रों ने दी सुपर-100 की परीक्षा, इस बार 3 लेवल करने हैं पास

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | हरियाणा सुपर 100 के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2026-28 हेतु लेवल-1 प्रवेश परीक्षा का आयोजन बुधवार को 178 केंद्रों पर हुआ। करीब 36 हजार विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में भाग लिया। पानीपत परीक्षा केंद्र पर जांच करते जिला विज्ञान विशेषज्ञ संदीप कुमार व अन्य। यह परीक्षा सभी सरकारी विद्यालयों में कक्षा 10वीं में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई। परीक्षा में 50 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे गए व परीक्षा का कुल अंकभार 200 अंक निर्धारित था। हर गलत उत्तर पर 1 अंक की निगेटिव मार्किंग लागू की गई।

दिल्ली आवास पर सादगी भरा जन्मदिन : सांसद राव इंदरजीत सिंह के साथ कार्यकर्ताओं का आत्मीय मिलन

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | नई दिल्ली स्थित आवास पर आज एक आत्मीय और सादगीपूर्ण वातावरण में सांसद श्री राव इंदरजीत सिंह का जन्मदिन मनाया गया। इस अवसर पर शुभचिंतकों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को अपनत्व से भर दिया। पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी ने उन्हें शुभकामनाएँ दीं और उनके दीर्घ, स्वस्थ जीवन की कामना की।

कार्यक्रम के दौरान केक काटकर यह विशेष क्षण साझा किया गया। उपस्थित लोगों ने सांसद के जनसेवा के प्रति समर्पण, दूरदर्शी नेतृत्व और क्षेत्र के विकास में उनके योगदान की सराहना की। माहौल में उत्साह के साथ-साथ आत्मीयता साफ झलक रही थी।

मानेसर की मेयर डॉ. इंद्रजीत यादव ने भी सांसद राव इंदरजीत सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनका नेतृत्व और जनसेवा की भावना हम सभी के लिए प्रेरणा है। ईश्वर से उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं ने विश्वास जताया कि सांसद का मार्गदर्शन क्षेत्र के विकास को नई दिशा देता रहेगा।

अब 10 तारीख को मिलेगी बुढ़ापा पेंशन

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा की नायब सिंह सैनी सरकार ने प्रदेश के लाखों बुजुर्गों और जरूरतमंदों के हित में एक ऐतिहासिक निर्णय लिया है। अब प्रदेश में मिलने वाले सभी प्रकार के सामाजिक भत्ते और पेंशन हर महीने की एक निश्चित तिथि, यानी 10 तारीख को सीधे पात्रों के बैंक खातों में जमा कर दिए जाएंगे। सरकार का यह कदम पेंशनभोगियों को होने वाली अनिश्चितता और देरी से निजात दिलाने के लिए उठाया गया है।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने शनिवार को इस महत्वपूर्ण बदलाव की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 'डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर' (DBT) के माध्यम से राशि भेजने से न केवल बिचौलियों का खात्मा होगा, बल्कि सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता भी बनी रहेगी। सरकार ने 10 फरवरी को इस महीने की पेंशन राशि सफलतापूर्वक सभी पात्रों के खातों में आवंटित कर दी है।

हरियाणा आज देश में सबसे ज्यादा सामाजिक सुरक्षा भत्ता देने वाला अग्रणी राज्य बन चुका है। वर्तमान में प्रदेश की 18 विभिन्न श्रेणियों के तहत कुल 36 लाख पात्र व्यक्तियों को लाभ दिया जा रहा है। सरकार द्वारा निर्धारित 3,200 प्रति माह की यह सम्मान राशि 1 नवंबर 2024 से प्रभावी है।

किस श्रेणी को कितना लाभ?

पेंशन वितरण के आंकड़ों पर नजर डालें तो प्रदेश में सबसे ज्यादा संख्या बुजुर्गों की हैः

- **वृद्धावस्था पेंशनः** 21 लाख से अधिक बुजुर्गों को सम्मान भत्ता मिल रहा है।
- **विधवा पेंशनः** लगभग 7 लाख महिलाओं को आर्थिक संबल दिया जा रहा है।
- **अन्य लाभार्थीः** इसमें दिव्यांग, निराश्रित बच्चे, कश्मीर से विस्थापित लोग और कैंसर जैसी 21 जानलेवा बीमारियों से पीड़ित मरीज शामिल हैं।

असम की धरती से मोदी का हुंकार

हाईवे पर उतरा वायुसेना का विमान, कांग्रेस पर देश के बंटवारे का आरोप

गुवाहाटी/डिब्रूगढ़ (राजधानी चौपाल)| प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम के मोरन में इतिहास रच दिया। सामरिक शक्ति का प्रदर्शन करते हुए पीएम वायुसेना के C-130 सुपर हरक्यूलिस विमान से सीधे नेशनल हाईवे पर बनी इमरजेंसी लैंडिंग फैसिलिटी (ELF) पर उतरे। यह हाईवे चीन सीमा से मात्र 300 किलोमीटर दूर है। इस ऐतिहासिक लैंडिंग के बाद गुवाहाटी की जनसभा में पीएम ने कांग्रेस पर अब तक का सबसे कड़ा प्रहार करते हुए उसे देश को तोड़ने वाली ताकतों का मददगार बताया।

प्रधानमंत्री की मौजूदगी में मोरन बाईपास पर न केवल परिवहन विमान उतरा, बल्कि भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों—राफेल और सुखोई-30 समेत 16 फाइटर जेट्स ने हवाई शो किया। **नया इतिहासः** पीएम ने कहा, "कभी नार्थ-ईस्ट का नाम आते ही लोग टूटी सड़कों की चिंता करते थे, आज यहाँ हाईवे पर हवाई जहाज लैंड कर रहे हैं।" **चीन सीमा पर कड़ा संदेशः** सामरिक जानकारों के अनुसार, इस एयरस्ट्रिप का संचालन चीन सीमा के करीब भारत की रक्षा तैयारियों को नई ऊंचाई देगा।

पीएम मोदी ने कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मुख्य विपक्षी दल अब उन विचारों का साथ दे रहा है जो देश के खिलाफ सोचते हैं। **देशद्रोहियों का सम्मानः** पीएम के अनुसार, "जो लोग भारत को तोड़ने की बात करते हैं या देश विरोधी नारे लगाते हैं, वे आज कांग्रेस के लिए 'सम्मानित' बन गए हैं। कांग्रेस देश का बंटवारा कराना चाहती है।" **रक्षा घोटालों का इतिहासः** उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस के समय सेना के लिए हथियार खरीदने का मतलब हजारों करोड़ का घोटाला होता था, जिससे देश की सुरक्षा खतरे में पड़ी।

परियोजनाओं की सुस्त रफ्तार बर्दाश्त नहींः सीएम

हिसार (राजधानी चौपाल)| हिसार मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को स्पष्ट किया कि प्रदेश में विकास परियोजनाओं की सुस्त रफ्तार अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लेते हुए सीएम ने सख्त लहजे में कहा कि जनहित के कार्यों में देरी करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के तुरंत बाद हिसार में जिला नगर आयुक्त एवं कार्यवाहक एडीसी नीरज ने स्थानीय अधिकारियों की बैठक बुलाई। उन्होंने दो टूक कहा कि अगर किसी भी विभाग ने प्रोजेक्ट की डेडलाइन मिस की या काम की गुणवत्ता में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारी पर कार्रवाई की जाएगी। समीक्षा के दौरान यह बात सामने आई कि विभागों के बीच आपसी तालमेल की कमी से कई प्रोजेक्ट फाइल में दबे रहते हैं।

निकाय चुनाव : फरवरी के अंत तक तारीखों का ऐलान, भाजपा 12 को रोहतक में करेगी बैठक

ईसी जल्द भेजेगा राज्य चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट, इसके बाद शुरू होगी प्रक्रिया

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल) | स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर तैयारी और तेज हो गई है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) जल्द ही वोटर लिस्ट राज्य चुनाव आयोग के पास भेजेगा। राज्य चुनाव आयोग ने भारतीय चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट उपलब्ध कराने की मांग की थी, सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग ने मांग स्वीकार कर ली है और जल्द ही चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट राज्य चुनाव आयोग को सौंप दी जाएगी। इसके बाद वोटर लिस्ट पर आपत्तियां मांगी जाएंगी।

आपत्तियां दूर करने के बाद चुनावों की तारीखों का ऐलान होगा। बहुत संभव है कि यह फरवरी के अंत तक तारीख तय हो सकती है। चुनाव अप्रैल में ही संभव होंगे। नगर निगम सोनीपत, पंचकूला और अम्बाला के अलावा रेवाड़ी नगर पालिका और कुछ नगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग भी इन चुनावों को लेकर तैयारियों में जुटा है। इसमें कितने बूथ होंगे, कितने मतदान कर्मियों या सुरक्षा कर्मियों की जरुरत होगी। कितनी ईवीएम की जरुरत होगी। यही नहीं आमजन को चुनावों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए भी योजना तैयार की जा रही है। राज्य चुनाव आयोग देवेंद्र कल्याण ने इस बाबत हाल ही में कर्मचारियों के साथ बैठकें की हैं।

भाजपाः प्रभारी और जिलाध्यक्षों की बैठक में तय करेंगे रणनीति

भारतीय जनता पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर 12 फरवरी को रोहतक में पार्टी की बैठक बुलाई है। इस बैठक में सभी जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारियों के अलावा स्थानीय निकाय चुनावों से जुड़े मंत्री और पदाधिकारी शिरकत करेंगे। अब तक चुनावों को लेकर हुई तैयारियों का जायजा लिया जाएगा। पार्टी के पास जो भी नाम आए हैं, उन नामों पर मंथन होगा। चुनावों को लेकर आगामी रणनीति भी तैयार की जाएगी। बैठक में प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के अलावा अन्य दिग्गज नेता शिरकत करेंगे।

कांग्रेसः जल्द करेगी नामों पर मंथन : कांग्रेस पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह का कहना है कि पार्टी ने पांच फरवरी तक उन नेताओं की सूची मांगी थी जो मेयर या अन्य चुनाव लड़ना चाहते हैं। इन नामों पर मंथन किया जाएगा। पार्टी के नेताओं के साथ भी नामों को लेकर मंथन होगा, ताकि सबकी सहमति से प्रत्याशी का चयन हो, उसके बाद ही नाम फाइनल किए जाएंगे। इस बाबत पार्टी हाईकमान को भी अवगत कराया जाएगा।

इनेलोः सिंबल पर चुनाव लड़ेगी : इंडियन नेशनल लोकदल की ओर से पहले ही एलान कर दिया गया है कि सिंबल पर चुनाव लड़े जाएंगे। वहीं आम आदमी पार्टी भी स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारी में जुटी है। पार्टी की ओर से चुनाव लड़ जाएगा। जेजेपी भी इन चुनावों को लेकर बैठक कर चुकी है और रणनीति बनाई जा रही है।

छात्रों के लिए 'टैबलेट' बना मार्कशीट की चाबी : समय पर वापसी नहीं तो रुकेगा परिणाम

शिक्षा विभाग का कड़ा रुख : परीक्षा खत्म होते ही 5 दिन के भीतर जमा करना होगा ई-अधिगम डिवाइस, वरना डिजिटल लॉकर भी रहेगा खाली

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बोर्ड परीक्षार्थियों के लिए एक बड़ी और जरूरी खबर सामने आई है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं संपन्न होते ही अब छात्रों की असली परीक्षा 'टैबलेट' जमा कराने को लेकर शुरू हो गई है।

शिक्षा विभाग ने एक बेहद सख्त आदेश जारी करते हुए स्पष्ट कर दिया है कि जिन विद्यार्थियों ने 'ई-अधिगम' योजना के तहत सरकार से टैबलेट प्राप्त किए थे, उन्हें अपनी मार्कशीट या अंक तालिका (DMC) प्राप्त करने के लिए सबसे पहले उस डिवाइस को स्कूल को सौंपना होगा। विभाग के इस कदम का उद्देश्य सरकारी संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करना और अगली कक्षा के छात्रों के लिए इन उपकरणों की उपलब्धता बनाए रखना है।

गुरुग्राम सहित प्रदेश के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को भेजे गए निर्देशों में यह साफ कहा गया है कि टैबलेट वापसी की प्रक्रिया में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभाग ने इसके लिए मात्र पांच दिन की एक बेहद संक्षिप्त समयसीमा निर्धारित की है। इसका सीधा अर्थ यह है कि बोर्ड परीक्षा के अंतिम पेपर के पांच दिनों के भीतर छात्र को टैबलेट और उसका चार्जर संबंधित स्कूल में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि कोई छात्र इस समयसीमा का उल्लंघन करता है, तो विभाग ने उसका अंक पत्र रोकने की तैयारी कर ली है। इतना ही नहीं, आधुनिक तकनीक के इस दौर में अब छात्रों को डिजिटल मार्कशीट की सुविधा से भी वंचित होना पड़ सकता है, क्योंकि टैबलेट जमा न होने की स्थिति में डीजी लॉकर (DigiLocker) पर भी अंक तालिका अपलोड नहीं की जाएगी।

जिम्मेदारी का बोध और व्यवस्था का सम्मान

इस आदेश के बाद अब गुरुग्राम के जिला शिक्षा विभाग ने सभी सरकारी स्कूलों के प्राचार्यों को सक्रिय कर दिया है। अभिभावकों और छात्रों को लगातार फोन और एसएमएस के जरिए जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि यह टैबलेट सरकार की ओर से दी गई एक बहुमूल्य शैक्षणिक सहायता है और सत्र समाप्त होने पर इसे वापस करना छात्र की नैतिक जिम्मेदारी भी है। अभिभावकों से भी अपील की गई है कि वे परिणाम घोषित होने के बाद होने वाली परेशानियों से बचने के लिए अपने बच्चों को समय पर टैबलेट और चार्जर स्कूल में जमा कराने के लिए प्रेरित करें। शिक्षा विभाग का यह कड़ा फैसला न केवल अनुशासन स्थापित करेगा, बल्कि सरकारी संसाधनों के सही चक्र को भी बनाए रखेगा।

विभाग ने उन छात्रों के लिए भी स्थिति स्पष्ट कर दी है जो भविष्य में स्कूल बदलना चाहते हैं। अक्सर देखा गया है कि 10वीं या 12वीं के बाद छात्र उच्च शिक्षा या अन्य विषयों के लिए स्कूल बदलते हैं। ऐसे मामलों में, जब तक छात्र टैबलेट जमा करके उसकी एनओसी (No Objection Certificate) प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक स्कूल उसे एसएलसी (SLC) यानी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट और चरित्र प्रमाण पत्र जारी नहीं करेगा। इसका मतलब है कि बिना टैबलेट जमा किए छात्र का किसी अन्य शिक्षण संस्थान में दाखिला लेना भी असंभव हो जाएगा। हालांकि, जो छात्र 11वीं कक्षा में उसी स्कूल में अपनी पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, उन्हें फिलहाल टैबलेट वापस करने की जरूरत नहीं होगी, बशर्ते वे उसी संस्थान के नियमित छात्र बने रहें।

टैबलेट की सुरक्षा को लेकर भी इस बार स्कूल प्रबंधन को भारी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग ने निर्देश दिए हैं कि स्कूल के मुखिया या प्राचार्य को यह सुनिश्चित करना होगा कि जितने भी टैबलेट वापस आ रहे हैं, उन्हें स्कूल की लाइब्रेरी या सुरक्षित कंप्यूटर लैब में रखा जाए।

प्रत्येक डिवाइस के आईएमईआई (IMEI) नंबर की प्रविष्टि स्टॉक रजिस्टर में करनी होगी। विभाग ने चेतावनी दी है कि यदि कोई टैबलेट स्कूल से गायब होता है या उसकी सुरक्षा में चूक होती है, तो इसकी पूर्ण जिम्मेदारी स्कूल प्रमुख की मानी जाएगी और उन्हें तुरंत प्राथमिकी (FIR) दर्ज करानी होगी। यदि किसी छात्र के पास टैबलेट का ओरिजिनल बॉक्स नहीं बचा है, तो स्कूल को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्थायी मार्कर से टैबलेट के पीछे आईएमईआई नंबर लिखें ताकि उसकी पहचान बनी रहे।

स्टिल्ट प्लस फोर के शुल्क से चमकेगा गुरुग्राम: सरकार का मास्टर प्लान तैयार, विकास पर खर्च होंगे 700 करोड़

सरकार की घोषणा: सड़कों, सीवर और पार्किंग के बुनियादी ढांचे को सुधारने के लिए गुरुग्राम को मिले 350 करोड़ रुपये

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के शहरी विकास को एक नई दिशा देने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने स्टिल्ट प्लस चार मंजिला (S+4) भवनों के निर्माण को लेकर एक व्यापक और दूरगामी मास्टर प्लान तैयार किया है। पिछले लंबे समय से चौथी मंजिल के निर्माण के कारण बुनियादी सुविधाओं पर बढ़ते दबाव को लेकर जो चिंताएं जताई जा रही थीं, अब सरकार ने उनका आर्थिक समाधान निकाल लिया है। चंडीगढ़ में नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में यह तय किया गया कि चौथी मंजिल की अनुमति से सरकारी खजाने में जो लगभग 700 करोड़ रुपये का 'विकास कोष' जमा हुआ है, उसे अब पूरी तरह से शहरों के कायाकल्प पर ही खर्च किया जाएगा। इस योजना के तहत गुरुग्राम के सेक्टरों में सड़क, सीवर और पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं को अपग्रेड करने के लिए 350 करोड़ रुपये का विशेष बजट आवंटित किया गया है।

सरकार की इस रणनीति का प्राथमिक लक्ष्य उन सेक्टरों को राहत देना है, जहाँ चार मंजिला इमारतों की सघनता के कारण आबादी का बोझ अचानक बढ़ गया है। गौरतलब है कि जब सरकार ने पार्किंग के लिए खंभों वाली जगह (स्टिल्ट) के ऊपर चार मंजिल बनाने की नीति लागू की थी, तो इसके बदले भवन मालिकों से भारी-भरकम शुल्क वसूले गए थे। नियमों से अधिक निर्माण की अनुमति देने के बदले फ्लोर एरिया रेशियो की बिक्री और चौथी मंजिल के पंजीकरण से यह करोड़ों का राजस्व एकत्रित हुआ। अब इसी पैसे का उपयोग उन समस्याओं के स्थायी समाधान के लिए किया जाएगा जो सघन निर्माण के कारण पैदा हुई हैं, जैसे सीवर ओवरफ्लो, पानी की किल्लत और सड़कों पर बढ़ता ट्रैफिक दबाव। मुख्यमंत्री की अंतिम मंजूरी मिलते ही इस राशि का 50 प्रतिशत हिस्सा तत्काल गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण और नगर निगम को जारी कर दिया जाएगा ताकि धरातल पर काम शुरू हो सके।

एक नज़र में: S+4 मास्टर प्लान का लेखा-जोखा

- **कुल जमा विकास कोष:** लगभग 700 करोड़ रुपये।
- **गुरुग्राम को आवंटन:** 350 करोड़ रुपये (सड़क, सीवर और पार्किंग के लिए)।
- **नोडल एजेंसियां:** GMDA, HSVP और नगर निगम गुरुग्राम।
- **प्रदूषण नियंत्रण योजना:** 3,900 करोड़ रुपये का बजट (नवंबर 2027 तक लक्ष्य)।
- **मुख्य फोकस:** 30 से अधिक सघन आबादी वाले सेक्टर और पुराने बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण।
- **अगली बड़ी तारीख:** 17 फरवरी (हाई कोर्ट में सुनवाई)।

इस सेक्टरों का अधिकांश प्रबंधन अब नगर निगम गुरुग्राम के हाथों में है, इसलिए निगम प्रशासन ने विशेष टीमें गठित कर उन इलाकों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है जहाँ जल निकासी और सीवर प्रणाली को तुरंत बदलने की जरूरत है।

गुरुग्राम और फरीदाबाद जैसे बड़े शहरों के लिए इस बैठक में विशेष निर्देश दिए गए हैं कि पानी की आपूर्ति को आधुनिक बनाया जाए ताकि चौथी मंजिल पर रहने वाले निवासियों को भी उचित दबाव के साथ पानी मिल सके। सरकार का यह मास्टर प्लान न केवल शहरों के भौतिक ढांचे को मजबूती प्रदान करेगा, बल्कि यह भी सुनिश्चित करेगा कि विकास का लाभ सीधे उन लोगों तक पहुँचे जिनसे यह राजस्व वसूला गया है।

अधीक्षक अभियंता फैजल इब्राहिम, कार्यकारी अभियंता अभिनव वर्मा, विक्रम सिंह कलकल, एचएसवीपी से उपमंडल अभियंता ज्ञानचंद सैनी, एनएचएआई से जूनियर इंजीनियर दक्ष चौहान, जीएमआरएल से नमीता कलसी और एसडी शर्मा आदि मौजूद रहे।

बता दें कि जीएमडीए के आग्रह पर एनएचएआई ने हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक तक मुख्य सड़क को एलिवेटेड बनाने की योजना तैयार की है। इसके ऊपर करीब 182 करोड़ रुपये की लागत आएगी। पिछले पांच साल से इस सड़क को नए सिरे से तैयार करने की योजना बन रही है, लेकिन यह कागजों से बाहर नहीं निकल रही है।

सेक्टर-33 की नई मार्बल मार्केट में चल रहा काम : एचएसवीपी की तरफ से सेक्टर-33 में सीएनजी स्टेशन के समीप तैयार की गई जा रही नई मार्बल मार्केट में मार्बल व्यापारी स्थानांतरित होना शुरू हो गए हैं। बता दें कि सेक्टर-33 स्थित पुरानी मार्बल मार्केट की जमीन मेट्रो डिपो के निर्माण के बीच में आ रही है। इसके चलते एचएसवीपी ने इस मार्केट को हटा दिया था। करीब 62 मार्बल व्यापारियों को नई मार्बल मार्केट में स्थानांतरित किया जा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

गुरुग्राम से श्री खाटू श्याम धाम तक पदयात्रा में उमड़ा जनस्नेह

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम के विधायक मुकेश शर्मा की श्री खाटू श्याम धाम तक चल रही पदयात्रा राजस्थान की धरती पर आस्था, उत्साह और जनसहभागिता का जीवंत उदाहरण बनती दिखाई दी। कोटपूतली और शाहपुरा के बीच यात्रा मार्ग में जगह-जगह श्रद्धालुओं और स्थानीय निवासियों ने पुष्पवर्षा, जयघोष और आत्मीय स्वागत से पदयात्रियों का अभिनंदन किया। हर पड़ाव पर सेवा भाव, भक्ति और श्याम प्रेमियों की उमंग इस पावन यात्रा की ऊर्जा बनकर साथ चलती रही। स्वागत शिविरों, जलपान व्यवस्था और भजनों की गूंज ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। विधायक मुकेश शर्मा ने हाथ जोड़कर सभी का आभार व्यक्त किया और कहा कि यह यात्रा केवल कदमों की नहीं, भावनाओं की भी है। इस पदयात्रा ने यह संदेश दिया कि जब जनप्रतिनिधि आस्था और समाज के साथ कदम मिलाते हैं, तो रास्ते अपने आप उत्सव में बदल जाते हैं। श्याम प्रेमियों के प्रेम और सम्मान ने यात्रा को और अधिक मंगलमय बना दिया।

गुरुग्राम में ठगों के फर्जी बैंक खाता खोलने के बदले लिए 3 लाख, 2 बैंककर्मी समेत 3 अरेस्ट

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| अच्छा मुनाफा कमाने का लालच देकर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक्सिस बैंक के 2 कर्मचारियों 3 गिरफ्तार समेत पुलिस भाषियों को दीयार किया बताया कि साइबर क्राइम साउथ थाने में 15 जनवरी 2026 को एक व्यक्ति शिकायत पर केस दर्ज किया गया था।

शिकायत में कहा कि व्हाट्सग्रुप व फर्जी ऐप के माध्यम से ट्रेडिंग में इन्वेस्टमेंट कर अच्छा मुनाफा कमाने का प्रलोभन देकर उसके साथ ठगी की गई। एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान की अगुवाई में साउथ थाने में साइबर क्राइम प्रभारी इंस्पेक्टर नवीन कुमार की टीम ने तीनों आरोपियों को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान यूपी के हाथरस निवासी पिंटू कुमार, रोहित व उमंग गुप्ता के रूप में हुई। ठगी गई राशि में से 50 लाख रुपए दिनेश कुमार की दिनेश इंटरप्राइजेज नाम की फर्म में ट्रांसफर हुए थे। बैंक खाता आरोपी अंकुल व पिंटू ने अपने साथी आरोपी दिनेश के साथ मिलकर एक्सिस बैंक के उमंग गुप्ता (सेल्स एक्जीक्यूटिव) व रोहित (ब्रांच सेल्स मैनेजर) के माध्यम से फर्जी तरीके से खुलवाया था। बदले पिंटू के माध्यम से उमंग को एक लाख तथा रोहित को 2 लाख रुपए मिले थे। पुलिस अब तक 5 को अरेस्ट कर चुकी है।

दो फ्लैट और दुकान से एक करोड़ से अधिक की नकदी और जेवरात चुराए, केस दर्ज

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| फ्लैट में काम करने वाली घरेलू सहायिकाओं और चोरों का आतंक का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। घरों में काम करने वाली घरेलू सहायिकाओं पर पॉश सोसाइटी के दो फ्लैट में चोरी करने का आरोप है। वहीं, चार चोरों ने गढ़ी हरसरु में स्थित एक ज्वलैर्स की दुकान में चोरी कर दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों ने शिकायत दी है कि एक करोड़ रुपये से अधिक चोरी की गई है। पुलिस ने अलग-अलग थानों में मामला दर्ज किया। सेक्टर-66 स्थित लग्जरी सोसाइटी एम्मार मारबेला एक फ्लैट में काम करने वाली तीन घरेलू सहायिकाओं पर घर से नकदी और जेवरात चोरी करने का आरोप है। नौकरानियां घर से 85 लाख रुपये की नकदी और जेवरात को चोरी किया। पुलिस शिकायत में सेक्टर-66 निवासी ने बताया कि उनके घर में तीन महिलाएं नौकरानी के तौर पर कार्यरत थीं। आरोप है कि इन तीनों ने मिलकर एक सोची-समझी साजिश के तहत घर में रखे कीमती सामान पर हाथ साफ किया। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-65 थाना पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

केरल के पार्षदों ने जानी नगर निगम की कार्यप्रणाली: स्वच्छता और डिजिटल सेवाओं को देख हुए प्रभावित

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| केरल से पार्षदों के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को गुरुग्राम निगम का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने निगम की कार्यप्रणाली के बारे में जानकारी लीं। नगर निगम गुरुग्राम कार्यालय पहुंचने पर प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया गया। निगम अधिकारियों ने स्वच्छता प्रबंधन, ठोस अपशिष्ट निपटान, सीवर और जल प्रबंधन, सड़क अवसंरचना, हरित क्षेत्र विकास तथा डिजिटल सेवाओं से जुड़ी पहलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रतिनिधिमंडल को बताया गया कि शहर में घर-घर कचरा संग्रहण, मैकेनाइज्ड रोड स्वीपिंग, लैंडफिल प्रबंधन, निर्माण व विध्वंस अपशिष्ट निपटान, वर्षा जल संचयन और जलभराव नियंत्रण जैसे क्षेत्रों में व्यापक कार्य किए जा रहे हैं। प्रतिनिधिमंडल में ये शामिल रहे: केरल से आए प्रतिनिधिमंडल में रघुनाथ सी मेनन, पी कृष्णप्रसाद, वीए सुरेश कुमार, अजय कुमार, उल्लासन पी, राजलक्ष्मी पी, संध्या रानी तथा केपी बिंदु शामिल रहे। इस दौरान भाजपा हरियाणा संगठन मंत्री फणींद्र नाथ शर्मा, प्रदेश महासचिव सुरेंद्र पुनिया, मेयर राजरानी मल्होत्रा, प्रदेश सचिव गार्गी कक्कड़ आदि मौजूद रहे।

एक माह में 4 हजार से अधिक चालकों के चालान

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| गुरुग्राम। सड़क हादसों पर अंकुश के लिए पुलिस आयुक्त (यातायात) डॉ. राजेश मोहन के निर्देशन में जनवरी माह के दौरान चलाए गए विशेष अभियान में बिना सीट बेल्ट गाड़ी चलाने वाले 4668 वाहन चालकों पर कार्रवाई की गई। पुलिस ने इस दौरान कुल 46 लाख 68 हजार रुपये का भारी-भरकम जुर्माना वसूला है। ट्रैफिक पुलिस के आंकड़ों के अनुसार एक से 31 जनवरी तक शहर के विभिन्न हिस्सों में चेकिंग अभियान चलाया गया।

रोजगार मांगने वाले नहीं, रोजगार देने वाले बनें : राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि विकसित हरियाणा से ही विकसित भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे रोजगार मांगने के बजाय रोजगार सृजक बनने का संकल्प लें। मंत्री शनिवार को अपने धन्यवाद दौरे के तहत गांव वजीराबाद पहुंचे।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था निरंतर विस्तार कर रही है और आने वाले समय में बहु-ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। आर्थिक प्रगति के साथ-साथ देश की सांस्कृतिक विरासत, सभ्यता और संस्कारों को सुरक्षित रखना भी उतना ही आवश्यक है। राव नरबीर सिंह ने कहा कि विश्व के अधिकांश विकसित राष्ट्र उद्योग आधारित अर्थव्यवस्था के माध्यम से आगे बढ़े हैं। हरियाणा सरकार प्रदेश में औद्योगिक ढांचे को सुदृढ़ करने, नए औद्योगिक मॉडल टाउनशिप (आईएमटी) विकसित करने तथा निवेश को आकर्षित करने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मानेसर और रोजका मेव क्षेत्र में स्थापित औद्योगिक इकाइयों से हजारों युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त हो रहे हैं और प्रदेश निर्यात एवं विनिर्माण के क्षेत्र में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग स्थापित करने के इच्छुक युवाओं एवं उद्यमियों को विभिन्न योजनाओं, सब्सिडी और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से सभी आवश्यक मंजूरियां प्रदान कर रही है, ताकि प्रक्रियाएं सरल और पारदर्शी बन सकें। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे रोजगार मांगने के बजाय रोजगार सृजक बनने का संकल्प लें तथा स्वरोजगार और उद्योग स्थापना की दिशा में आगे बढ़कर प्रदेश की प्रगति में भागीदार बने।

टेक सपोर्ट घोटाले में 90 करोड़ की संपत्ति जब्त

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने अंतर्राष्ट्रीय टेक सपोर्ट घोटाले में 90.21 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियों को अस्थायी तौर पर जब्त किया है। मुख्य आरोपी चंद्र प्रकाश गुप्ता की गिरफ्तारी के बाद ईडी ने आठ आरोपियों के खिलाफ धन शोधन अधिनियम के तहत विशेष न्यायालय में गत 10 फरवरी को मुकदमा दायर किया। ईडी के मुताबिक मैसर्ज सीएसपीआरओ टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, चंद्र प्रकाश गुप्ता (जिनके पास इस कंपनी की 100% हिस्सेदारी है), आकाश कुमार दुबे, पंकज कुमार झा आदि ने अमेरिकी नागरिकों के साथ धोखाधड़ी की। केंद्रीय जांच ब्यूरो की तरफ से दर्ज मुकदमे के आधार पर ईडी ने यह जांच शुरू की। जांच से खुलासा हुआ कि साल 2021 से 2024 तक दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम से अवैध कॉल सेंटर संचालित किए जा रहे थे। इन कॉल सेंटर से आरोपी माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित तकनीकी कंपनियों के अधिकारी बनकर विदेशी नागरिकों, मुख्य रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के नागरिकों को निशाना बनाते थे।

मिलेनियम सिटी में नियमों पर सवाल, प्रशासन की भूमिका पर चर्चा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| जिसे हम गर्व से मिलेनियम सिटी कहते हैं। जहाँ चमकती इमारतें, चौड़ी सड़कें और आधुनिकता की मिसालें दिखाई देती हैं। लेकिन इसी चमक के पीछे एक स्याह सच भी छिपा है — नियमों को ठेंगा दिखाते लोग और उन पर मौन साधे बैठे अधिकारी।

सेक्टर 7 एक्सटेंशन की डिवाइडिंग रोड पर एक ऐसा नज़ारा सामने आया है जो पूरे प्रशासनिक तंत्र पर सवाल खड़े करता है। जहाँ नियमानुसार केवल एक प्रवेश द्वार होना चाहिए, वहाँ कुछ प्रभावशाली लोगों ने अपने घरों के मुख्य दरवाज़े ही सड़क की ओर खोल लिए हैं। बात यहीं तक सीमित नहीं रही — धीरे-धीरे ये 'दरवाज़े' दुकानों में तब्दील होते दिख रहे हैं।

सरकारी नियमों की यह धज्जियाँ उड़ती रहीं, और 'जिम्मेदार' अधिकारी हाथ पर हाथ धरे तमाशा देखते रहे। यह कैसी विडंबना है कि जब तक कोई शिकायत न आए, तब तक इन अफसरों की आँखें नहीं खुलतीं? और यदि कभी किसी की अंतरात्मा जाग भी जाए, तो फाइलें सेंटिंगबाजों की भूलभुलैया में गुम हो जाती हैं।

शहर में हर मोड़ पर CCTV कैमरे लगे हैं, तकनीक का जाल बिछा है, फिर भी अवैध निर्माण और कब्ज़े कैसे नजरों से ओझल हो जाते हैं? क्या यह लापरवाही है या फिर मिलीभगत? जिस ग्रीन बेल्ट को शहर की साँस कहा जाता था, वह धीरे-धीरे कंक्रीट के नीचे दबती जा रही है। सरकारी ज़मीनों की सुरक्षा जिनके जिम्मे है, वे कुर्सी के नशे में मदमस्त हैं। और जो नागरिक ईमानदारी से टैक्स देते हैं, वे खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी से हमारी बार-बार यही अपील है — गुरुग्राम का एक अचानक दौरा कीजिए। बिना किसी सूचना, बिना किसी तैयारी के। ज़मीनी हकीकत देखिए। और फिर जो उचित लगे, उन अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई कीजिए — चाहे वह सस्पेंशन हो या टर्मिनेशन।

सवाल सिर्फ एक सेक्टर का नहीं, पूरे सिस्टम का है। गुरुग्राम के ईमानदार नागरिक जानना चाहते हैं — आखिर उनके शहर की व्यवस्था की रक्षा कौन करेगा?

फ्लैट खरीदार को बिल्डर एक लाख मुआवजा देगा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हरियाणा रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (हरेरा) में विचाराधीन एक याचिका पर वाटिका लिमिटेड के खिलाफ आदेश पारित किया गया। बिल्डर को मानसिक रूप से परेशान करने पर फ्लैट खरीदार को एक लाख रुपये मुआवजा देना होगा। कानूनी लड़ाई के लिए 50 हजार भी देने होंगे। सेक्टर-23ए निवासी पुष्पराज सिंह और शालिनी चौहान ने हरेरा में वाटिका लिमिटेड के खिलाफ याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने 360 वर्ग गज की एक यूनिट को इस बिल्डर के पास साल 2010 में बुक करवाया था। इसकी एवज में करीब 1.37 करोड़ रुपये दिए जाने थे। करीब 42 लाख रुपये याचिकाकर्ता ने इस बिल्डर को दे दिए। बिल्डर पर आरोप लगाया कि परियोजना को पूरा करने में इस बिल्डर ने देरी की है। बिल्डर ने हरेरा को बताया कि कोविड-19 और प्रदूषण के चलते बार-बार काम के रुकने की वजह से दिक्कत आई। साल 2021 में याचिकाकर्ता की एक याचिका पर हरेरा ने साल 2023 में 10.70% सालाना की ब्याज दर से राशि वापस देने के आदेश जारी कर दिए।

सीवर लाइन के पेंच में फंसी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो: हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक के बीच निर्माण अटका

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| हीरो होंडा चौक को उमंग भारद्वाज चौक से जोड़ रही मुख्य सड़क पर सीवर लाइन का स्थानांतरण नहीं होने से ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना में देरी हो रही है। शुक्रवार को गोल्फ कोर्स रोड पर सेक्टर-53 स्थित गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) कार्यालय में हुई बैठक में मेट्रो अधिकारियों ने एनएचएआई से सीवर लाइन को जल्द स्थानांतरित करने का आग्रह किया।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के पहले चरण के तहत करीब 15 किलोमीटर लंबी मेट्रो का निर्माण चल रहा है। इस चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से सेक्टर-नौ तक मेट्रो रूट तैयार होना है। इसमें हीरो होंडा चौक से उमंग भारद्वाज चौक तक करीब तीन किलोमीटर का हिस्सा भी शामिल है। इस रोड पर मेट्रो बाईं तरफ से निकलेगी। इस सड़क पर जीएमडीए की मुख्य सीवर लाइन निकल रही है, जिसका स्थानांतरण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) को करना है।

जीएमआरएल के परियोजना निदेशक एसआर सांगवा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में एनएचएआई के जूनियर इंजीनियर दक्ष लोहान ने बताया कि इस रोड पर डीएचबीवीएन की केबल स्थानांतरित की जा रही है। इसके बाद सीवर लाइन स्थानांतरण का काम शुरू किया जाएगा। इस कार्य में करीब पांच से छह महीने का समय लग जाएगा। बैठक में जीएमडीए से

मेट्रो रूट के बीच में आ रहे नाले पर भी चर्चा हुई

बैठक में मिलेनियम सिटी सेंटर से लेकर हीरो होंडा चौक तक मेट्रो निर्माण के बीच में आ रहे पानी और सीवर की पाइपलाइन और बरसाती नाले के स्थानांतरण को लेकर चर्चा हुई। इस रूट पर अधिकांश मेट्रो सेंट्रल व्रज से निकल रही है। मेट्रो स्टेशन के निर्माण में लिए पाइप लाइनों को स्थानांतरित करना होगा। जीएमडीए के खर्चे पर इसे जीएमआरएल की तरफ से स्थानांतरित किया जाएगा।

23 सेक्टरों में अगले माह से पर्याप्त पेयजल मिलेगा

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| मिलेनियम सिटी के 23 सेक्टरों में विकसित रिहायशी सोसाइटियों के निवासियों को गर्मियों यानी अगले माह से पर्याप्त पानी मिलने लग जाएगा। इसके लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। शहरी विकास के प्रधान सलाहकार डीएस ढेसी की अध्यक्षता में बुधवार शाम को लघु सचिवालय में जिला समन्वय समिति की बैठक हुई थी। इसमें जीएमडीए अधिकारी ने बताया कि द्वारका एक्सप्रेसवे पर पानी की पाइपलाइन डालने का काम चल रहा है। इसे मार्च माह के पहले सप्ताह में पूरा करके सेक्टर-72 के बूस्टिंग स्टेशन को शुरू कर दिया जाएगा। इससे इन सेक्टरों तक पानी पहुंच जाएगा। गर्मियों में इन सेक्टरों में रहने वाले लोगों को पानी के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा। बैठक में जीएमडीए के एक अन्य कार्यकारी अभियंता ने बताया कि वाटिका चौक से लेकर दिल्ली-जयपुर हाईवे तक निर्माणाधीन मुख्य बरसाती नाले का निर्माण 31 मई तक पूरा कर दिया जाएगा।

सफलता का 'डबल धमाका': हिसार की जुड़वां बेटियों ने रचा इतिहास, HPSC में पुष्पा ने पाया पहला तो पूनम ने 5वां स्थान

संघर्ष से शिखर तक: नर्सरी से नेट-जेआरएफ तक साथ पढ़ने वाली सगी बहनों ने फहराया परचम; भाई भी 23 की उम्र में 15 नौकरियां क्रैक कर बना चुका है IFS अधिकारी

हिसार (राजधानी चौपाल)| हरियाणा की माटी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि यदि इरादे फौलादी हों, तो गांव की गलियों से निकलकर भी सफलता के शिखर पर कब्जा किया जा सकता है। हिसार जिले के छोटे से गांव सदलपुर की दो सगी जुड़वां बहनों, पुष्पा बिश्नोई और पूनम बिश्नोई ने हरियाणा लोक सेवा आयोग (HPSC) की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा में जो अभूतपूर्व कीर्तिमान स्थापित किया है, वह प्रदेश के शैक्षणिक इतिहास में सुनहरे अक्षरों में दर्ज होगा। पुष्पा ने जहां पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान (Rank 1) हासिल कर अपनी मेधा का लोहा मनवाया, वहीं उनकी जुड़वां बहन पूनम ने पांचवां स्थान (RANK 5) प्राप्त कर यह साबित कर दिया कि जब दो प्रतिभाएं एक ही दिशा में कड़ी मेहनत करती हैं, तो परिणाम ऐतिहासिक होते हैं।

एक अनूठा शैक्षणिक सफर: नर्सरी से शोध तक का साथ: पुष्पा और पूनम की कहानी किसी फिल्मी पटकथा से कम नहीं है। इन दोनों बहनों की सबसे अनोखी बात यह रही कि जन्म से लेकर आज तक इनका शैक्षणिक सफर पूरी तरह से एक जैसा रहा है। नर्सरी क्लास से लेकर पोस्ट ग्रेजुएशन तक, दोनों ने न केवल एक ही स्कूल और कॉलेज में पढ़ाई की, बल्कि वे हमेशा एक ही क्लास की बेंच साझा करती रहीं। उनकी बौद्धिक क्षमता और एक-दूसरे के प्रति मानसिक तालमेल का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे बचपन से ही हर प्रतियोगिता में एक साथ अव्वल आती रहीं। स्कूल के दिनों में 'भारत जानो' जैसी प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दोनों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। यहाँ तक कि नेट-जेआरएफ 2025 में भी पुष्पा ऑल इंडिया रैंक-1 और पूनम रैंक-6 पर रहीं। वर्तमान में दोनों बहनें कुरुक्षेत्र और रोहतक विश्वविद्यालय से पीएचडी कर शिक्षा के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित कर रही हैं।

पुष्पा, पूनम और आशीष की यह कहानी हमें सिखाती है कि यदि नीयत साफ हो और मेहनत पूरी ईमानदारी से की जाए, तो सफलता का कोई भी मुकाम हासिल करना असंभव नहीं है। आदमपुर के पूर्व विधायक भव्य बिश्नोई सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने इस उपलब्धि पर खुशी जाहिर की है। 'राजधानी चौपाल' इन बेटियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है और समाज से अपील करता है कि वे अपनी बेटियों को इसी तरह उड़ने के लिए पंख दें।

भाई आशीष बिश्नोई: सफलता का अद्भुत रिकॉर्ड

इस परिवार की गौरवगाथा केवल बेटियों तक ही सीमित नहीं है। इन दोनों बहनों के भाई आशीष बिश्नोई ने तो सफलता की ऐसी परिभाषा लिख दी है जिसे तोड़ पाना किसी के लिए भी बड़ी चुनौती होगी। आशीष ने मात्र 23 साल की छोटी उम्र में एक-दो नहीं, बल्कि 15 सरकारी परीक्षाओं को सफलतापूर्वक क्रैक किया। इनमें यूपीएससी (दो बार), असिस्टेंट कमांडेंट, आईबी, हरियाणा पुलिस सब-इंस्पेक्टर और एसएससी जैसे कठिन एग्जाम शामिल थे। वर्तमान में आशीष जम्मू में भारतीय वन सेवा (IFS) अधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

पिता का संघर्ष और माँ का समर्पण

इन बच्चों की इस गगनचुंबी सफलता के पीछे उनके पिता हंसराज खीचड़ और माता सिलोचना का दशकों का अथक परिश्रम छिपा है। पिता हंसराज, जो वर्तमान में शिक्षा विभाग में कार्यरत हैं, बताते हैं कि बचपन में ही अपने पिता को खोने के बाद उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी उठाई। बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने एलआईसी (LIC) एजेंट के रूप में भी काम किया। वहीं मां सिलोचना, जो स्वयं केवल सातवीं पास हैं, ने घर की बागडोर इस तरह संभाली कि बच्चों का ध्यान कभी अपनी पढ़ाई से नहीं भटका।

एक ही परिवार के 4 सदस्यों का NET-JRF पास: हिसार में बेटी ने जेआरएफ में टॉप किया; पिता और 2 बेटों का नेट हुआ

उकलाना (राजधानी चौपाल)| हिसार जिले के उकलाना क्षेत्र का गांव बिठमड़ा आज पूरे देश में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। शिक्षा के प्रति इस गांव के एक ही परिवार के जुनून ने वह कर दिखाया है, जो किसी भी मध्यमवर्गीय परिवार के लिए एक सपने जैसा होता है। एक ही छत के नीचे रहने वाले परिवार के चार सदस्यों ने एक साथ 'राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा' (NET) और 'जूनियर रिसर्च फेलोशिप' (JRF) उत्तीर्ण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। इस सफलता ने न केवल उकलाना क्षेत्र बल्कि पूरे हरियाणा को गौरवान्वित किया है।

परिवार की बेटी मार्शल बिठमड़ा ने संस्कृत विषय में अपनी विलक्षण प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर JRF हासिल किया है। मार्शल की इस ऐतिहासिक सफलता ने साबित कर दिया कि यदि प्राचीन विषयों को आधुनिक दृष्टिकोण और निरंतर परिश्रम से पढ़ा जाए, तो सफलता निश्चित है। अपनी इस उपलब्धि पर मार्शल ने कहा कि उनके ताऊ विजयपाल, संस्कृत प्रोफेसर अनीता देवी और सुग्रीव शास्त्री के मार्गदर्शन ने उनकी राह आसान की। मार्शल का मानना है कि अनुशासन और सकारात्मक पारिवारिक वातावरण ही बड़ी सफलताओं की नींव है।

सफलता का सिलसिला यहीं नहीं थमा। पॉलिटिकल साइंस विषय में भी इसी परिवार के तीन अन्य सदस्यों ने अपनी धाक जमाई है। प्रोफेसर विजय बिठमड़ा ने यूजीसी नेट एवं जेआरएफ पास कर समाज के सामने मिसाल पेश की है कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती। वहीं, उनके दोनों बेटों ने भी श्रेष्ठता की नई परिभाषा लिखी। बेटे विश्वास बिठमड़ा ने देशभर में 10वां स्थान और रोबिन बिठमड़ा ने 25वां स्थान प्राप्त कर पॉलिटिकल साइंस विषय में नेट क्लियर किया है। पिता और दो बेटों का एक साथ एक ही परीक्षा में सफल होना इलाके में कौतूहल और गर्व का विषय बना हुआ है।

इन चारों सफल अभ्यर्थियों की सफलता की कहानी और भी प्रेरणादायक हो जाती है जब हम उनकी जड़ों को देखते हैं। इन सभी ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गाजूवाला (फतेहाबाद) जैसे सरकारी स्कूल से प्राप्त की। इसके बाद इन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी (DU) के सबसे प्रतिष्ठित कॉलेजों में अपनी जगह बनाई। मार्शल बिठमड़ा ने हिंदू कॉलेज, रोबिन बिठमड़ा ने किरोड़ीमल कॉलेज और विश्वास बिठमड़ा ने रामजस कॉलेज से अपनी उच्च शिक्षा पूरी की। सरकारी स्कूल के बुनियादी ज्ञान और डीयू के एक्सपोजर ने इनके करियर को नई ऊंचाइयां दीं।

विकास और जन-सरोकार का नया अध्याय : हिसार एयरपोर्ट विस्तारीकरण और जनसुविधा के बीच स्थापित होगा सामंजस्य

कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का बड़ा फैसला, अब 'संयुक्त कमेटी' तय करेगी तलवंडी राणा का नया और स्थायी मार्ग

हिसार (राजधानी चौपाल)| प्रदेश की राजनीति और विकास के मानचित्र पर हिसार इन दिनों अंतरराष्ट्रीय चर्चाओं का केंद्र बना हुआ है। 'महाराजा अग्रसेन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे' का विस्तार केवल हिसार के लिए ही नहीं, बल्कि समूचे उत्तर भारत के लिए आर्थिक उन्नति के द्वार खोलने वाला प्रोजेक्ट है। लेकिन, किसी भी बड़े निर्माण के साथ कुछ चुनौतियां भी आती हैं। हिसार एयरपोर्ट के रनवे विस्तार के कारण तलवंडी राणा मार्ग का बंद होना एक ऐसी ही समस्या बनकर उभरा, जिसने हजारों ग्रामीणों की दैनिक जीवनचर्या और शहर से उनकी कनेक्टिविटी को प्रभावित किया।

इस संवेदनशील मुद्दे पर अब सरकार ने अपनी गंभीरता दिखाते हुए एक ठोस और लोकतांत्रिक समाधान की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। 'राजधानी चौपाल' की इस विशेष रिपोर्ट में हम विश्लेषण करेंगे कि कैसे कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के नेतृत्व में प्रशासन अब विकास और जनसुविधा के बीच एक आदर्श संतुलन बनाने जा रहा है।

मंगलवार को हिसार के स्थानीय सचिवालय में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक महज एक सरकारी औपचारिक चर्चा नहीं थी, बल्कि यह उन ग्रामीणों के संघर्ष और धैर्य का प्रतिफल थी जो लंबे समय से एक सुरक्षित और स्थायी रास्ते की मांग कर रहे थे। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए नागरिक उड्डयन विभाग, लोक निर्माण विभाग (PWD) और वन विभाग के आला अधिकारियों को दो टूक शब्दों में निर्देश दिए।

मंत्री ने स्पष्ट किया कि एयरपोर्ट का विस्तार राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन ग्रामीणों का हक और उनकी सुगम आवाजाही सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि अब 'कामचलाऊ' रास्तों का समय बीत चुका है, ग्रामीणों को एक ऐसा आधुनिक और स्थायी मार्ग मिलना चाहिए जो अगले कई दशकों तक उनकी जरूरतों को पूरा कर सके। इस बैठक का सबसे क्रांतिकारी और स्वागत योग्य फैसला रहा—एक उच्चाधिकार प्राप्त 'संयुक्त कमेटी' का गठन। लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव (ACS) अनुराग अग्रवाल की अध्यक्षता में बनने वाली यह कमेटी अब इस पूरे विवाद का तकनीकी और व्यावहारिक समाधान खोजेगी। 'राजधानी चौपाल' विशेष रूप से इस बात को रेखांकित करता है कि इस कमेटी में केवल अधिकारी ही नहीं, बल्कि ग्रामीणों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया गया है। यह कदम मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सरकार की 'अंत्योदय' और 'पारदर्शी शासन' की नीति को प्रतिबिंबित करता है। जब जनता के प्रतिनिधि स्वयं निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा होंगे, तो न केवल आपसी अविश्वास खत्म होगा, बल्कि समाधान भी सर्वसम्मत और धरातल पर टिकाऊ होगा। कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा की यह पहल सराहनीय है क्योंकि उन्होंने सीधे तौर पर अधिकारियों की जवाबदेही तय की है।

3 संभावित रूटों पर मंथन: भविष्य की जरूरतों का आकलन

हिसार एयरपोर्ट के भविष्य के विस्तार को देखते हुए, प्रशासन अब किसी भी ऐसी गलती को नहीं दोहराना चाहता जिससे भविष्य में दोबारा रास्ता बंद करने की नौबत आए। बैठक में तकनीकी विशेषज्ञों ने तीन मुख्य विकल्पों पर विस्तृत प्रस्तुति दी:

- **धान्सू रोड और रजवाहा रूट**: पहला विकल्प धान्सू रोड के साथ लगती जमीन और पास से गुजरने वाले रजवाहे के साथ उपलब्ध रूट को विकसित करना है। यह मार्ग शहर से सीधे कनेक्टिविटी प्रदान कर सकता है।
- **सरकारी और वन विभाग की भूमि का संयोजन**: दूसरा विकल्प एयरपोर्ट की अपनी खाली पड़ी सरकारी जमीन और वन विभाग के कुछ क्षेत्रों का उपयोग करके एक कॉरिडोर बनाना है। इसके लिए वन विभाग को फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने को कहा गया है।
- **राजस्व भूमि पर नया लिंक रोड**: तीसरा विकल्प आसपास के राजस्व गांवों की भूमि की उपलब्धता के आधार पर एक पूरी तरह से नया और चौड़ा लिंक रोड बनाना है, जो भविष्य में व्यापारिक गतिविधियों का केंद्र भी बन सके।

बैठक के चार स्तंभ: समयबद्धता, विकास, सुरक्षा और पारदर्शिता

1. **समयबद्ध कार्ययोजना**: मंत्री ने साफ किया कि अब फाइलों में देरी बर्दाश्त नहीं होगी। कमेटी को जल्द से जल्द रिपोर्ट सौंपकर काम शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।
2. **समग्र विकास**: नया मार्ग केवल एक सड़क नहीं होगी, बल्कि उसे इस तरह डिजाइन किया जाएगा कि वह आसपास के गांवों के किसानों और व्यापारियों के लिए नए अवसर पैदा करे।
3. **सुरक्षा का संतुलन**: अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट की संवेदनशीलता को देखते हुए सुरक्षा प्रोटोकॉल और जन-यातायात के बीच एक 'बफर जोन' बनाने पर सहमति बनी है।
4. **पारदर्शिता**: राजस्व और वन विभाग के अधिकारी अब मौके पर जाकर जमीन की वास्तविक स्थिति का जायजा लेंगे और इसकी रिपोर्ट सार्वजनिक करेंगे ताकि कोई भ्रम न रहे।

न्यूज ब्रीफ

आदमपुर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती मनाई

आदमपुर मंडी (राजधानी चौपाल)|महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शोभायात्रा निकाली गई और परमपिता परमात्मा शिव के इस कलयुग रूपी रात्रि में धरा पर अवतरित होने का शुभ संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सावित्री बहन ने बताया कि वर्तमान समय कलयुग का अंतिम समय चल रहा है चारों ओर अज्ञानता का अंधकार छाया हुआ है। ऐसे घोर पाप के समय में निराकार परम पिता शिव परमात्मा प्रजापिता ब्रह्मा केतन में अवतरित होकर के विश्व परिवर्तन का कार्य कर रहे हैं। मानव को देव तुल्य बनाने की आध्यात्मिक शिक्षा दे रहे हैं। शिव भोलेनाथ के इस धरा पर अवतरित होने के यादगार में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। मुख्य अतिथि के रूप में वाइस चेयरपर्सन रितु गर्ग, तरसेम गोयल प्रदीप बैनीवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम में बच्चों ने शिव बाबा धरती पर आ गए हैं गीत पर अपनी प्रस्तुति दी। अंत में परमपिता शिव परमात्मा का ध्वज लहराया गया। इस मौके पर रमेश ओझा, पुरुषोत्तम राणा, आनंद मोहन ऐलावादी, राजेंद्र सारंगपुरिया, सीताराम नागपाल, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी आदमपुर के स. अमर सिंह चावला, मुख्य ग्रंथी जसवीर सिंह, विजय मेहता, ईश्वर दास, चंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

श्रद्धालुओं ने 20 फीट ऊंचे-चौड़े शिवलिंग, 12 ज्योतिर्लिंगों और 3 लोको के किए दर्शन

हिसार (राजधानी चौपाल)| महाशिवरात्रि से पहले ही ब्रह्मकुमारीज पीस पैलेस शिव नगरी में रंगा हुआ नजर आया। ब्रह्मकुमारीज हिसार द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव महादेव से महामिलन का महामेला का पहला दिन भव्य एवं आध्यात्मिक वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ शिव ध्वज फहराकर किया गया। सभी ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने शिव ध्वज के नीचे खड़े होकर श्रेष्ठ जीवन जीने की सामूहिक प्रतिज्ञा ली, इसे पूरा वातावरण शिवमय हो उठा। मेले के पहले दिन लगभग हजारों श्रद्धालुओं ने महोत्सव का मुख्य आकर्षण 20 फीट ऊंचे और 20 फीट ही चौड़े महा शिवलिंग के दर्शन किए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने मेले की व्यवस्थाओं, आध्यात्मिक प्रदर्शनी भी देखी। वहीं महोत्सव का मुख्य आकर्षण रहा हॉट एयर बैलून, इसके माध्यम से ब्रह्माकुमार एवं ब्रह्माकुमारी भाई-बहनों ने विशाल महाशिवलिंग पर पुष्प अर्पित किए। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए आस्था और आकर्षण का विशेष केंद्र बना रहा। युवा और बच्चों ने तकनीक के जरिए किया अध्यात्म का अनुभव वर्चुअल रियलिटी शो ने सभी का विशेष ध्यान आकर्षित किया। इस माध्यम से उपस्थित श्रद्धालुओं ने आत्मा और परमात्मा के दिव्य स्वरूप का अनूठा अनुभव किया। सभी श्रद्धालुओं ने इसमें काफी रुचि दिखाई।

सुविधा की नई पटरी: मंडी आदमपुर में गोरखधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ठहराव, यात्रियों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

मंडी आदमपुर (राजधानी चौपाल)| मंडी आदमपुर के रेल यात्रियों के लिए यह खबर किसी सौगात से कम नहीं। लंबे इंतजार और लगातार उठती मांग के बाद अब गोरखधाम सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12555/56) मंडी आदमपुर रेलवे स्टेशन पर ठहराव करेगी। 13 फरवरी से यह व्यवस्था लागू हो रही है, जिससे क्षेत्र के हजारों यात्रियों को सीधा लाभ मिलेगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, ट्रेन शाम 4:07 बजे मंडी आदमपुर पहुंचेगी और 4:09 बजे आगे के लिए रवाना होगी। वहीं गोरखपुर से आने वाली गाड़ी सुबह 10:03 बजे पहुंचेगी और 10:05 बजे प्रस्थान करेगी। यह छोटा सा दो मिनट का ठहराव, यात्रियों के लिए बड़ी राहत बनकर आया है।

अब तक गोरखपुर, लखनऊ और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों की यात्रा करने वाले यात्रियों को हिसार या बड़े स्टेशनों तक जाना पड़ता था। अतिरिक्त समय, किराया और असुविधा—सब झेलना पड़ता था। लेकिन अब आदमपुर और आसपास के लोग अपने नजदीकी स्टेशन से ही ट्रेन पकड़ सकेंगे। समय और पैसे—दोनों की बचत होगी। इस ठहराव की मांग लंबे समय से उठाई जा रही थी। डीआरयूसीसी सदस्य एवं रेल यात्री वेलफेयर एसोसिएशन हिसार के अध्यक्ष आकाश कुमार सहित कई प्रतिनिधियों ने रेलवे अधिकारियों के समक्ष यह मुद्दा मजबूती से रखा। आखिरकार रेलवे बोर्ड ने यात्रियों की जरूरत को समझते हुए इस प्रस्ताव को मंजूरी दी।

बीकानेर मंडल के सीनियर डीसीएम भूपेश यादव ने भी पुष्टि की कि यह ठहराव 13 फरवरी से प्रभावी होगा। उनका कहना है कि इससे न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी, बल्कि छोटे स्टेशनों का महत्व और यात्री संख्या भी बढ़ेगी। भविष्य में अन्य ट्रेनों के ठहराव की संभावनाएं भी मजबूत होंगी। मंडी आदमपुर के व्यापारियों और स्थानीय बाजार के लिए भी यह निर्णय लाभकारी साबित होगा। ट्रेनों के ठहराव से रौनक बढ़ेगी, होटल-ढाबों और अन्य सेवाओं को गति मिलेगी, और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। कभी-कभी विकास बड़े प्रोजेक्ट्स से नहीं, ऐसे छोटे लेकिन असरदार फैसलों से भी दिखता है। गोरखधाम सुपरफास्ट का यह ठहराव उसी दिशा में एक ठोस कदम है—जहां सुविधा सीधे जनता तक पहुंचती है। मंडी आदमपुर अब सिर्फ एक स्टेशन नहीं, बल्कि यात्रियों के लिए राहत की नई पटरी बन गया है।

युवा महोत्सव का समापन एचएयू में दो दिन तक 8 कॉलेजों के विद्यार्थियों ने मंच पर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया

कृषि कॉलेज हिसार की टीम ने जीती ओवरऑल ट्रॉफी

हिसार (राजधानी चौपाल)| हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय युवा महोत्सव में ओवरऑल कैटेगरी में कृषि कॉलेज, हिसार ने प्रथम एवं मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है। युवा महोत्सव में विद्यार्थियों ने अपनी छुपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। रंग-बिरंगी पोशाकों में युवाओं ने विभिन्न कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां देकर श्रोताओं से कई बार तालियां बटोरी हैं।

युवा उत्सव की कमान विद्यार्थियों द्वारा संभाली गई। एकल गायन में कृषि कॉलेज, हिसार प्रथम तथा सामुदायिक विज्ञान कॉलेज दूसरे स्थान पर रहा। हरियाणवी लोकगीत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज का प्रवीण प्रथम जबकि कृषि कॉलेज, हिसार के सुज्ञान दूसरे स्थान पर रहे। समूह गायन में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज, प्रथम तथा कृषि कॉलेज, हिसार दूसरे स्थान पर रहा। वेस्टर्न सॉन्ग में कृषि कॉलेज बावल के कबीर प्रथम तथा कृषि महाविद्यालय, हिसार के अंशवीर दूसरे स्थान पर रहे।

हरियाणवी नृत्य में सामुदायिक विज्ञान कॉलेज प्रथम व मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज दूसरे स्थान पर रहे। सोलो फोक डांस में कृषि अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी कॉलेज प्रथम व कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस दूसरे स्थान पर रहा। फैकल्टी डांस में कृषि कॉलेज बावल से डॉ. तन्वी गोयल प्रथम तथा कृषि कॉलेज हिसार से डॉ. रविश दूसरे स्थान पर रहे। समूह डांस में कृषि कॉलेज, हिसार प्रथम तथा कॉलेज ऑफ फिशरीज साइंस दूसरे स्थान पर रहा। मौलिक विज्ञान कॉलेज का स्किट रहा प्रथम स्किट में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज प्रथम व कृषि कॉलेज, हिसार द्वितीय स्थान पर रहें। माइम में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज प्रथम व कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी दूसरे स्थान पर रहे। मोनो एक्टिंग में सामुदायिक विज्ञान कॉलेज की अल्का प्रथम तथा कृषि कॉलेज, हिसार के नमन कौशिक दूसरे स्थान पर रहे। मीमिक्री में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज प्रथम व सामुदायिक विज्ञान कॉलेज दूसरे स्थान पर रहे। नुक्कड़ नाटक में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज प्रथम व कृषि कॉलेज कौल दूसरे स्थान पर रहे।

लोकगीत में मौलिक विज्ञान एवं मानविकी कॉलेज की सुगंध प्रथम तथा सामुदायिक विज्ञान कॉलेज की श्रेया दूसरे स्थान पर रही। फेकल्टी म्यूजिक में कृषि कॉलेज, हिसार प्रथम तथा कॉलेज ऑफ बायोटेक्नोलॉजी दूसरे स्थान पर रहा।

जूनियर्स ने भांगड़ा व नाटकों से जमाया रंग, लुवास में नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में परिकल्प-2025 टैलेंट सर्च कार्यक्रम

हिसार (राजधानी चौपाल)| लुवास के वेटरनरी सभागार में बीवीएससी एंड एएच प्रथम वर्ष के नवागंतुक विद्यार्थियों के स्वागत में परिकल्प-2025 टैलेंट सर्च कार्यक्रम का आयोजन किया गया। द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जूनियर्स ने अपनी कला और आत्मविश्वास से सबका दिल जीत लिया। इस दौरान भांगड़ा व नाटकों से खूब रंग जमाया। कार्यक्रम की खास बात यह रही कि वेटरनरी सभागार की सजावट विद्यार्थियों ने स्वयं की। रंग-बिरंगी रंगोलियों, गुब्बारों और हस्तनिर्मित सामग्री से पूरे हॉल को उत्सव का रूप दिया गया। मुख्य अतिथि एवं कुलपति प्रो. विनोद कुमार वर्मा ने कहा कि विश्वविद्यालय जीवन केवल किताबों तक सीमित नहीं है। ऐसे आयोजन छात्रों की झिझक दूर कर उनमें नेतृत्व और सामाजिक सहभागिता के गुण विकसित करते हैं। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने कुलपति को पेंसिल से स्केच किया हुआ उनका फोटो फ्रेम भेंट किया।

पशुचिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. मनोज रोज ने सीनियर छात्र अमन कलकल और उनकी टीम के प्रबंधन की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक एवं साहित्यिक क्लब द्वारा डॉ. तरुण गुप्ता, डॉ. दिव्या अग्निहोत्री और डॉ. विशाल के मार्गदर्शन में किया गया।

ठाणे में आर्ट फेस्टिवलः झील के बीच तैरता हुआ स्टेज, 600 कलाकारों ने दी प्रस्तुति, 6 लाख लोग पहुंचे

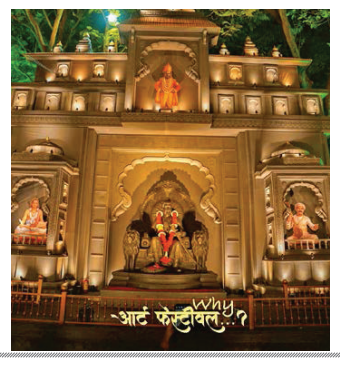

ठाणे (राजधानी चौपाल)| महाराष्ट्र के ठाणे में उपवन झील के किनारे उपवन आर्टी फेस्टिवल का सोमवार को समापन हुआ। इस उत्सव में कला, संगीता और संस्कृति की विविध झलक देखने को मिली। इस साल फेस्टिवला की थीम 'वारी' रखी गई थी। वारी एक वार्षिक धार्मिक यात्रा है, जिसमें श्रद्धालु महाराष्ट्र के अलग-अलगा हिस्सों से पैदल चलकर भगवाना विठ्ठल के दर्शन के लिए सोलापुर जाते हैं। फेस्टिवल में भारत समेत कई देशों के 600 से ज्यादा कलाकार शामिल हुए। झील के बीच बना 'तरंग' फ्लोटिंग स्टेज मुख्य आकर्षण रहा। यहां शास्त्रीय संगीत और नृत्य सूफी संगीत, रॉक बैंड, लोक कला, लावणी और आदिवासी नृत्य की प्रस्तुतियां हुई। इसके अलावा पेंटिंग एग्जीबिशन, लाइव स्कल्पचर मेकिंग, नुक्कड़ नाटक, लिटरेचरा फेस्ट और फोटोग्राफी वर्कशॉप भी आयोजित की गई। चार दिनों में यहाँ 6 लाख से ज्यादा दर्शक पहुंचे।

सीएम ने एक ही दिन में 18 जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों के लिए 1,431 करोड़ रुपए जारी किए

2 लाख लोगों की पेंशन काटने का भ्रम फैला रहा विपक्ष, जबकि 1.03 लाख लाभार्थियों की हो चुकी मौत : सीएम

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| सीएम नायब सिंह ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा कि प्रदेश के 2 लाख लोगों की पेंशन काट दी गई, जबकि किसी पेंशन लाभार्थी की मृत्यु हो जाती है तो नियमानुसार उसकी पेंशन स्वतः बंद कर दी जाती है। दो लाख मामलों में से लगभग 1 लाख 3 तीन हजार ऐसे लाभार्थी हैं, जिनकी मृत्यु के उपरांत पेंशन बंद की गई है। अक्टूबर 2024 से रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया पोर्टल में किसी तकनीकी समस्या के कारण प्रदेश सरकार को हरियाणा में मृत हुए व्यक्तियों का डेटा नहीं मिला था। यह डेटा नवंबर 2025 में प्राप्त होने के बाद एकमुश्त में ऐसे मृतकों की पेंशन कटी है।

37 हजार ऐसे मामले सामने आए थे, जिनमें वास्तविक आयु 60 वर्ष से कम थी। लोगों ने डेटाबेस में छेड़छाड़ कर पेंशन स्वीकृत करवा ली थी। इन लाभार्थियों की पेंशन स्थगित कर दी गई है। डाटाबेस में छेड़छाड़ करने वालों के विरुद्ध भी कार्रवाई शुरू की जा चुकी है। यदि ये लोग अपनी आयु 60 वर्ष से अधिक होने का कोई प्रमाण देंगे, तो इनकी पेंशन पुनः शुरू कर दी जाएगी। करीब 39 हजार मामलों में स्थानीय समिति एवं सेक्टर समिति द्वारा आय आधारित पात्रता का सत्यापन नहीं किया गया था। ऐसे मामलों में आय का प्रमाण दिया जाएगा तो तुंरत उसका सत्यापन करवाया जाएगा और प्रमाण सही पाए जाने पर पेंशन बहाल कर दी जाएगी। सीएम ने मंगलवार को विभागों के बजट खर्च व जरूरी विभागीय स्कीमों को लेकर भी रिव्यू मीटिंग की। सीएम ने खेती के पंपों को सोलर आधारित करने के कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। खराब हालत वाले बस स्टैंड की पहचान करने और उनकी मरम्मत एवं रखरखाव करने के निर्देश दिए। अधिकारियों को एमएमएमई के तहत छोटे उद्योगों को अधिक प्रोत्साहन देने के निर्देश दिए। खैर के पेड़ों की गैर-कानूनी कटाई पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

पंचायतों की प्रोत्साहन राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख की : सीएम ने अनुसूचित जाति के कल्याणार्थ कार्य करने वाली उत्कृष्ट पंचायतों को प्रात् प्रोत्साहन स्वरूप में दी जाने वाली अनुदान राशि 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख करने की घोषणा की। हर थाने में इन्वेस्टिगेशन विंग की स्थापना करने की घोषणा की। एससी, एसटी केस में 60 दिनों में कोर्ट में चार्जशीट पेश करने का निर्देश दिया।

सप्ताह में 2 बार पेंशन से जुड़ी शिकायतें सुनेंगे एडीसी

पेंशन व आय आधारित पात्रता से जुड़ी शिकायतें सीएम के संज्ञान में आई हैं। इन शिकायतों व अपीलों के समाधान तथा पात्रता के निष्पक्ष निपटान के लिए सभी जिलों के एडीसी को निर्देश जारी कर दिए हैं। अब वे सप्ताह में दो दिन सोमवार व गुरुवार को इन मामलों का निवारण सुनिश्चित करेंगे। ये जानकारी सीएम ने दी है। उन्होंने मंगलवार को 18 योजनाओं के तहत 1,431 करोड़ रुपए की राशि सीधे लाभार्थियों के खातों में जारी की। इससे प्रदेश के 56 लाख 34 हजार लाभार्थियों को लाभ मिला है। इसमें दीन दयाल लाडो लक्ष्मी योजना की चौथी किस्त, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाएं, हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत गैस सिलेंडर सब्सिडी और दुग्ध उत्पादकों को प्रोत्साहन शामिल है। लाडो लक्ष्मी योजना के तहत आज 9,22,452 महिला लाभार्थियों के बैंक खातों में सीधे 193 करोड़ रुपए ट्रांसफर किए गए। बुढ़ापा, विधवा, दिव्यांग और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत 1,098 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं, जिससे 34.14 लाख लोगों को सीधा लाभ पहुंचा है। हर घर-हर गृहिणी योजना के तहत नवंबर और दिसंबर के लिए एलपीजी सिलेंडर रिफिल कराने वाली 12.62 लाख महिलाओं को सब्सिडी के तौर पर 38.97 करोड़ जारी किए गए हैं। इस योजना के तहत पात्र महिलाएं हर महीने 500 रुपए की सब्सिडी दर पर गैस सिलेंडर ले सकती हैं। इससे पहले, 17 जनवरी को, 6,08,842 से ज्यादा लाभार्थियों को 18.56 करोड़ रुपये की सब्सिडी जारी की गई थी। इस योजना के तहत अब तक 14.38 लाख महिलाओं को 223.31 करोड़ ट्रांसफर किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक प्रोत्साहन योजना के तहत भी 36,000 लाभार्थियों को 101 करोड़ रुपए जारी किए गए।

इनेलो के दबाव से सरकार झुकी, पेंशन बढ़ानी पड़ीः अभय चौटाला

रोहतक (राजधानी चौपाल) | इनेलो सुप्रीमो चौधरी अभय सिंह चौटाला का 63वां जन्मदिन कन्हेली फार्म हाउस पर मनाया गया। प्रदेश सचिव मंजीत कन्हेली ने समारोह का आयोजन किया। इसमें अभय चौटाला ने 63 किलो का केक काटकर जन्मदिन मनाया। उन्होंने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस मौके पर सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया।

वहीं अभय चौटाला ने कहा कि बुजुर्गों की पेंशन काटने के मामले में इनेलो के दबाव के कारण सरकार झुकी और पेंशन बढ़ानी पड़ी। चौटाला ने कहा कि चौ. देवीलाल द्वारा दिए गए सम्मान से किसी का अधिकार छीनने का हक नहीं है। अगर सरकार फिर से कोई गड़बड़ी करती है तो इनेलो उसे सबक सिखाने में पीछे नहीं रहेगी। चौटाला ने घोषणा की कि 20 फरवरी को सभी जिला मुख्यालयों पर विजय दिवस मनाया जाएगा व बुजुर्गों की पेंशन वापस दिलाई जाएगी। उन्होंने सीएम सैनी पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके मंत्री गलत बयानबाजी में लगे हैं व सीएम को उन्हें कंट्रोल करना चाहिए। उन्होंने प्रदेश में बढ़ते अपराधों पर चिंता जताई। नफे सिंह राठी की हत्या के दो साल बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाए और कहा कि इनेलो जल्द इस मामले पर बड़ा फैसला लेगी।

हरियाणा में 4.50 लाख फर्जी दाखिलों के मामले में क्लोजर रिपोर्ट पेश

दाखिले फर्जी नहीं, ड्रॉप आउट थे बच्चे, 11 हजार स्कूलों को सीबीआई की क्लीन चिट

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| साल 2014 से 2016 के बीच हरियाणा के करीब 11 हजार सरकारी स्कूलों में 4.50 लाख विद्यार्थियों के फर्जी दाखिलों के मामले में सीबीआई ने क्लीन चिट दे दी है। केंद्रीय एजेंसी ने डेढ़ साल में जांच पूरी कर मंगलवार को स्पेशल सीबीआई कोर्ट में अनट्रेस कैंसिलेशन रिपोर्ट (यूसीआर) दाखिल कर दी। इसमें बताया है कि स्कूलों के रिकॉर्ड में जो दाखिले फर्जी दिखाए गए हैं, उन सभी जगहों पर पूछताछ में सामने आया है कि बच्चों ने दाखिला लिया था, लेकिन बाद में वह स्कूल छोड़ गए। इनमें काफी बच्चे ऐसे भी हैं, जो कॉलोनियों के अलावा झोपड़पट्टी और ईंट-भट्ठों के अलावा लेबर के साथ आते-जाते हैं।

इसके अलावा जिन लोगों के स्थायी ठिकानें नहीं होते हैं, ऐसे लोगों के बच्चों का भी दाखिला हुआ, लेकिन बाद में वह भी स्कूल छोड़कर चले गए। जांच के बाद पूरे मामले की रिपोर्ट आलाधिकारियों को बनाकर दी गई। जांच रिपोर्ट अगले महीने हाई कोर्ट में भी प्रस्तुत की जाएगी। अब 8 अप्रैल को सुनवाई होगी। दरअसल वर्ष 2014 से 16 के बीच प्रदेश के करीब 11 हजार सरकारी स्कूलों में फर्जी दाखिलों का मामला सामने आया था।

हाई कोर्ट के आदेश पर 2017 में विजिलेंस ने नूंह, गुरुग्राम, रेवाड़ी व नारनौल के स्कूलों का रिकॉर्ड खंगाला। विजिलेंस ने 12,924 स्कूलों का रिकॉर्ड खंगाला था, जिसमें केवल सोनीपत व झज्जर का रिकॉर्ड ही सही मिला। सबसे अधिक फर्जी दाखिले करनाल में हुए। विजिलेंस ने 2017-18 में 7 एफआईआर दर्ज कीं, लेकिन वर्ष 2019 में हाई कोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने जांच की और जुलाई 2024 में 7 एफआईआर दर्ज की थी।

मिड-डे मिल घोटालाः हरियाणा पुलिस के जवानों को भी सीबीआई ने जांच के लिए डेपुटेशन पर बुलाया था

फर्जी दाखिलों के जरिए मिड-डे मिल घोटाले के आरोपों की जांच के लिए सीबीआई चंडीगढ़ ने हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर व अन्य जवानों को डेपुटेशन पर बुलाया था। टीम ने सबसे पहले नूंह और आसपास के अन्य जिलों में स्कूलों का रिकॉर्ड खंगाला। इसके बाद पंचकूला, अम्बाला, कुरुक्षेत्र, हिसार, भिवानी, सिरसा के स्कूलों में पहुंचकर रिकॉर्ड खंगाला। इस दौरान मिड-डे मिल इंचार्ज के अलावा अन्य शिक्षकों और ब्लॉक स्तर के अधिकारियों से भी पूछताछ की गई। 2 एचसीएच अधिकारियों को भी जांच में शामिल किया गया। 14 जिलों में सबसे अधिक फर्जी दाखिलों का रिकॉर्डः रिकॉर्ड के अनुसार, 14 जिलों में 11 हजार स्कूलों में 4.50 लाख फर्जी दाखिले सामने आए। अम्बाला, करनाल, जींद, पानीपत, कुरुक्षेत्र व कैथल के सरकारी स्कूलों में 50,687 बच्चों का रिकॉर्ड नहीं मिला। अम्बाला के 16 स्कूलों में से 6, कुरुक्षेत्र के 52 में से 17 स्कूलों का रिकॉर्ड गायब मिला। 302 बच्चों का नाम गैर-हाजिर रहने की लिस्ट में शामिल दिखाया गया। वहीं, साल 2014 से 2016 तक हिसार, सिरसा, फतेहाबाद, भिवानी में 5,735 बच्चे ड्रॉप आउट दिखाए गए।

बिना खुदाई होगा सीवरेज लाइन का काम, 50 साल की मजबूती मिलेगी

मंत्री गंगवा ने अधिकारियों को योजना बनाने के निर्देश दिए

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा में अब सीवरेज की समस्या को खत्म किया जाएगा। इसके लिए करीब 50 साल की व्यवस्था की जाएगी। यहां तक कि सीवरेज लाइन ठीक करने के लिए खुदाई भी नहीं करनी पड़ेगी। पब्लिक हेल्थ डिपर्टमेंट अब सीआईपीपी (क्योर-इन प्लेस पाइप) लाइनिंग तकनीक से काम करेगा। जितनी भी पुरानी या जर्जर हो चुकी सीवरेज लाइन है, उसमें इसी तकनीक से काम होगा, ताकि बार-बार परेशानी न आए।

मंत्री रणबीर गंगवा की विभागीय अधिकारियों से बातचीत हो चुकी है। अब तक इसके तहत पूर्व भिवानी में काम हुआ था, जो सफल रहा है। अब इसे पूरे प्रदेश में अपनाया जाएगा। इससे शहरवासियों को भी परेशानी नहीं होगी। क्योंकि शहर को खोदना नहीं पड़ेगा। साथ ही अंदर भी क्षमता वैसे ही बनी रहेगी। विभाग अब भविष्य में सीवरेज लाइन की मरम्मत या यूं कहें कि मजबूती के लिए अब इसी तकनीक पर काम करेगा। पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के मंत्री रणबीर गंगवा ने बताया कि हम सीआईपीपी तकनीक से सीवरेज

लाइन पर काम करेंगे। इससे लोगों को सीवरेज लाइन बार-बार खुदाई से होने वाली परेशानी से बचाया जा सकेगा।

क्या है सीआईपीपी तकनीक : यह एक पाइप के अंदर पतली दीवार वाली पाइप बनाने का बिना खुदाई वाला तरीका है। सीवरेज के खराब पाइप में एक लचीली, सिकुड़ी हुई ट्यूब डाली जाती है। ट्यूब को रेजिन से ट्रीट किया जाता है। रेजिन का सही फॉर्मूला इस बात पर निर्भर करेगा कि खराब पाइप मेटल, सीमेंट, मिट्टी या प्लास्टिक का है। एक बार जब ट्यूब यानी लाइनिंग पाइप की पूरी लंबाई के अंदर आ जाती है, तो ट्यूब से कंप्रेस्ड हवा को अंदर भेजा जाता है। इससे यह फैलती है और पाइप की अंदरूनी दीवार पर दबाव डालती है। लाइनिंग लगने के बाद, इसे ठीक होने के लिए कुछ घंटों के लिए छोड़ दिया जाता है। इससे यह पाइप अंदर चिपक जाती है। पाइप लाइनिंग इस्तेमाल करने का एक बड़ा फ़ायदा यह है कि पाइप के अंदर का हिस्सा पूरी तरह सूखा होने की जरूरत नहीं होती है। लाइनिंग पाइप से चिपक जाएगी और थोड़ी सी नमी होने पर भी पूरी तरह सूख जाएगी। सीआईपीपी लाइनिंग पब्लिक वॉटर सिस्टम को रिपेयर करने का सबसे बेहतर तरीका माना जाता है। इससे अंदर पाइप बदलने की जरूरत नहीं होती है।

दुकानों-प्रतिष्ठानों पर 9 के बजाय 10 घंटे करना होगा काम

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा में अब दुकानों व वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों पर काम करने वालों को एक घंटा अधिक काम करना होगा। काम का समय 9 घंटे से बढ़ाकर 10 घंटे कर दिया गया है। बीच में ब्रेक 6 घंटे काम करने के बाद मिलेगा। पहले 5 घंटे बाद मिलता था। हालांकि, सप्ताह में काम के घंटे 48 ही रहेंगे। यदि संस्थान में मौसम के अनुसार काम की अधिकता रहती है तो नियोक्ता अब 3 माह में 50 के बजाय 144 घंटे काम करा सकेगा। यानी ओवरटाइम इतना हो सकेगा।

पर विधानसभा में पास हरियाणा दुकानें और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान (संशोधन) अधिनियम राज्यपाल की मुहर लगने के बाद सरकार की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। संशोधित प्रावधान 20 या अधिक श्रमिकों वाली दुकानों और प्रतिष्ठानों पर लागू होंगे। किसी प्रतिष्ठान का प्रत्येक नियोक्ता अपने सभी कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देगा। यह प्रावधान नवंबर 2025 से लाग किए गए हैं।

इंस्पेक्टर की संतुष्टि पर निर्भर रहेगा पंजीकरण : 20 से अधिक श्रमिकों वाले संस्थानों को कारोबार शुरू करने के एक माह के अंदर फीस के साथ ऑनलाइन आवेदन करना होगा। प्रतिष्ठान का डाक पता और जीपीएस लोकेशन देनी होगी। प्रतिष्ठान का नाम, कर्मचारियों की संख्या, कारोबार बताना होगा। इसके बाद श्रम विभाग का इंस्पेक्टर आवेदन और दस्तावेजों की जांच करेगा। संतुष्ट होने पर तय समय सीमा के अंदर मालिक को ऑनलाइन पंजीकरण प्रमाण पत्र जारी किया जाएगा। पंजीकरण प्रमाण पत्र तब तक वैलिड रहेगा, जब तक रद्द नहीं कर दिया जाता। 20 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठान अपने कारोबार शुरू होने की तारीख से एक महीने के अंदर इंस्पेक्टर को निर्धारित फॉर्म में ऑनलाइन सूचना देगा।

न्यूज ब्रीफ

युवा कांग्रेस 17, इनेलो 20 को पंचकूला में करेगी प्रदर्शन, बेदी बोले-पेंशन नहीं काटी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| हरियाणा के 20 फरवरी से शुरू हो रहे बजट सत्र से पहले सियासत गरमा गई है। विपक्ष ने सत्ता पक्ष पर हल्ला बोला है। विपक्ष इस वक्त बुढ़ापा पेंशन और नौकरियों के मुद्दे पर आक्रामक है। विपक्षी पार्टियों ने अब सड़क पर उतरने तक का ऐलान कर दिया है। यूथ कांग्रेस हरियाणा पब्लिक सर्विस कमीशन (एचपीएससी) का 17 फरवरी को घेराव करेगी तो इनेलो 20 फरवरी को पेंशन के मुद्दे पर सत्र के पहले दिन पंचकूला में प्रदर्शन की योजना बना चुका है। जजपा ने कहा कि सरकार को एक भी बुजुर्ग की पेंशन नहीं काटने दी जाएगी।

वहीं, सेवा विभाग के मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि किसी की पेंशन नहीं काटी है। फिलहाल शिकायतों पर संदेह के आधार पर करीब 50 हजार लोगों की पेंशन रुकी है। फिलहाल अधिकारी जांच कर रहे हैं। इन लोगों की किसी की उम्र को लेकर, किसी की आय अधिक होने की शिकायत की है। जांच में जो सही मिलेगा, सरकार उसे एरियर भी देगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ राजनीति कर रहा है। जल्द ही पेंशन मामले पर सीएम नायब सिंह सैनी और मंत्री कृष्ण बेदी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। कांग्रेस के वक्त तो सिर्फ 1.20 लाख आय वाले को ही पेंशन मिलती थी। हमने पहले दो और फिर तीन लाख रुपए तक की आय की है। नौकरी भी मेरिट के आधार पर हम दे रहे हैं। पहले जातिवाद, क्षेत्रवाद के आगे गोत्रवाद तक चलता था। अब मेरिट पर नौकरी दी जा रही है, तभी भाजपा की तीसरी बार सरकार बनी है।

अब हरियाणा के 22 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर की सुविधा मिलेगी

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को चंडीगढ़ से राज्य के 17 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर (डीसीसीसी) का वर्चुअल उद्घाटन किया। इस प्रकार के सेंटर पहले ही पांच जिलों में लॉन्च किए जा चुके हैं और आज से राज्य के 22 जिलों में डे-केयर कैंसर सेंटर चालू हो गए हैं। मुख्यमंत्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में यह घोषणा की थी, जिसे आज पूर्ण कर दिया गया है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शामिल हुईं। मुख्यमंत्री द्वारा 17 जिलों में शुरू किए डे-केयर कैंसर सेंटर प्रदेश के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध करवाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन डे-केयर कैंसर सेंटर का उद्देश्य कैंसर रोगियों को सुलभ, किफायती और उनके घर के नजदीक उपचार उपलब्ध कराना है। सीएम ने कहा कि कैंसर हरियाणा ही नहीं बल्कि पूरे देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनकर उभरा है। इसका ईलाज काफी महंगा है, ऐसे में आमजन को ध्यान में रखते हुए कैंसर रोगियों के लिए सेंटर खोले गए हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम के तहत रोकथाम, स्क्रीनिंग और उपचार की व्यापक सेवाएं प्रदान कर रहा है। 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों के लिए मुख, स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की नियमित जांच की जा रही है।

ड्रेनेज सिस्टम को बाधित करने वाले पर करें सख्त कार्रवाईः राव इंद्रजीत

गुरुग्राम (राजधानी चौपाल)| शहर के प्रमुख बुनियादी ढांचा और पर्यावरणीय परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिए शनिवार को गुरुग्राम में उच्चस्तरीय बैठक हुई, इसकी अध्यक्षता केंद्रीय राज्य मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने की। राव इंद्रजीत ने निर्देश दिए कि शहर में प्राकृतिक ड्रेनेज सिस्टम को बाधित करने वाले पर सख्त रुख अपनाया जाए। जलनिकासी के प्राकृतिक स्रोतों पर अतिक्रमण करने वालों की पहचान कर और कार्रवाई की जाए। प्राकृतिक जल प्रवाह में रुकावट डालने वाले सभी अतिक्रमणों की विस्तृत सर्वे रिपोर्ट एक माह के भीतर प्रस्तुत की जाए। बंधवाडी लैंडफिल साइट से संबंधित कार्यों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि लीगेसी वेस्ट का जल्द से जल्द उचित ट्रैक से निपटान किया जाए। आयुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि नए टेंडर के तहत लगभग 16.80 लाख मीट्रिक टन कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण का कार्य फरवरी 2026 के अंत तक शुरू होकर फरवरी 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

ईसी जल्द भेजेगा राज्य चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट, इसके बाद शुरू होगी प्रक्रिया

चंडीगढ़ (राजधानी चौपाल)| स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर तैयारी और तेज हो गई है। भारतीय चुनाव आयोग (ईसी) जल्द ही वोटर लिस्ट राज्य चुनाव आयोग के पास भेजेगा। राज्य चुनाव आयोग ने भारतीय चुनाव आयोग को वोटर लिस्ट उपलब्ध कराने की मांग की थी, सूत्रों के अनुसार चुनाव आयोग ने मांग स्वीकार कर ली है और जल्द ही चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट राज्य चुनाव आयोग को सौंप दी जाएगी। इसके बाद वोटर लिस्ट पर आपत्तियां मांगी जाएंगी।

आपत्तियां दूर करने के बाद चुनावों की तारीखों का ऐलान होगा। बहुत संभव है कि यह फरवरी के अंत तक तारीख तय हो सकती है। चुनाव अप्रैल में ही संभव होंगे। नगर निगम सोनीपत, पंचकूला और अम्बाला के अलावा रेवाड़ी नगर पालिका और कुछ नगर पालिकाओं के चुनाव होने हैं। कुछ जगह उप चुनाव भी कराए जाने हैं, जिसको लेकर राज्य चुनाव आयोग तैयारी में जुटा हुआ है। ईवीएम से होने वाले चुनावों को लेकर भी कई बैठकें हो चुकी हैं। अब केवल वोटर लिस्ट का इंतजार है। राज्य चुनाव आयोग भी इन चुनावों को लेकर तैयारियों में जुटा है। इसमें कितने बूथ होंगे, कितने मतदान कर्मियों या सुरक्षा कर्मियों की जरुरत होगी। कितनी ईवीएम की जरुरत होगी। यही नहीं आमजन को चुनावों के प्रति आकर्षण बढ़ाने के लिए भी योजना तैयार की जा रही है।

संपादकीय...

नशे की गिरफ्त में युवा पीढ़ी: भविष्य पर मंडराता 'सफेद जहर' का साया

आज का युवा, जिसे हम कल के भारत का आधार स्तंभ मानते हैं, वह अनजाने में एक ऐसे दलदल की ओर बढ़ रहा है जो बाहर से लुभावना लेकिन अंदर से जानलेवा है। नशा—चाहे वह शराब हो, सिंथेटिक ड्रग्स हो या बढ़ता हुआ डिजिटल नशा—हमारी युवा पीढ़ी को घुन की तरह अंदर से खोखला कर रहा है। कभी दोस्तों के दबाव में तो कभी 'कूल' दिखने की चाह में शुरू हुआ यह शौक कब एक लाइलाज लत में बदल जाता है, इसका अंदाजा भी नहीं लगता।

नशा केवल शरीर को ही नहीं, बल्कि मस्तिष्क की कार्यक्षमता को भी नष्ट कर देता है। डॉक्टरों के अनुसार, नशे के सेवन से युवाओं में याददाश्त की कमी, एकाग्रता का अभाव और गंभीर मानसिक अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। नशा व्यक्ति के सोचने-समझने की शक्ति छीन लेता है, जिससे वह सही और गलत का अंतर भूल जाता है। यही कारण है कि आज समाज में अपराधों का ग्राफ बढ़ रहा है और छोटी उम्र के युवा चोरी, लूटपाट व हिंसा जैसी गतिविधियों में लिप्त हो रहे हैं। यह 'सफेद जहर' न केवल नसों में बहते खून को गंदा करता है, बल्कि इंसान के आत्मसम्मान को भी मार देता है।

एक होनहार छात्र जिसके कंधों पर परिवार की उम्मीदें टिकी होती हैं, नशे की चपेट में आते ही अपनी शिक्षा और करियर से दूर होने लगता है। आर्थिक रूप से भी यह परिवारों को कंगाल कर देता है। नशे की मांग पूरी करने के लिए युवा घर के गहने बेचने से लेकर गंभीर अपराधों तक का रास्ता चुन लेते हैं, जिससे हँसता-खेलता परिवार बिखर जाता है। जो समय कौशल सीखने और राष्ट्र निर्माण में लगना चाहिए था, वह अंधेरे कमरों में नशीली दवाइयों की तलाश में बीत रहा है।

राजधानी चौपाल की अपील है कि इस जंग में केवल पुलिस या सरकार के भरोसे बैठना पर्याप्त नहीं है। यह एक सामाजिक बीमारी है जिसका इलाज हम सबको मिलकर करना होगा। अभिभावकों को अपने बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करना होगा और उनकी बदलती आदतों, नए दोस्तों और व्यवहार पर पैनी नजर रखनी होगी। शिक्षण संस्थानों को भी 'ड्रग्स फ्री' वातावरण सुनिश्चित करना चाहिए और नियमित रूप से जागरूकता सेमिनार आयोजित करने चाहिए।

नशा उस दीमक के समान है जो देश के भविष्य को नष्ट कर रहा है। यदि हम चाहते हैं कि हमारा समाज और देश समृद्ध बने, तो हमें युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा देनी होगी। युवाओं को खेलों, कला, समाज सेवा और कौशल विकास की ओर मोड़ना ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। याद रखें, नशा कुछ पलों का भ्रम है जो पूरी जिंदगी छीन लेता है, जबकि स्वस्थ जीवन उम्र भर का गौरव है। आइए, आज शपथ लें कि हम अपने समाज को इस अभिशाप से मुक्त कराएंगे।

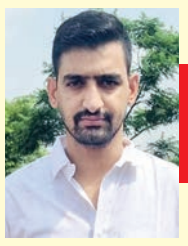

राहुल हिंदुस्तानी
संपादक
राजधानी चौपाल

नशा छोड़ना: खुद से की गई सबसे बड़ी जीत

नशा... शुरुआत में यह दोस्त जैसा लगता है, लेकिन धीरे-धीरे वही दोस्त सबसे बड़ा दुश्मन बन जाता है। सिगरेट का धुआँ हो, शराब का गिलास हो या किसी और नशे का जाल—इन सबकी कहानी एक जैसी है। शुरुआत शौक से, फिर आदत से, और अंत में लत से। लेकिन सच्चाई यह है कि नशा छोड़ना सिर्फ एक आदत छोड़ना नहीं है, यह अपने जीवन को दोबारा अपने हाथ में लेना है।

1. सेहत में चमत्कारी बदलाव

नशा छोड़ते ही शरीर अपनी मरम्मत शुरू कर देता है। फेफड़े साफ होने लगते हैं, लीवर सुधरने लगता है, दिल पर बोझ कम होता है। नींद बेहतर होती है, चेहरा खिलने लगता है, और शरीर में नई ऊर्जा का संचार होता है। जो लोग सालों से थकान महसूस करते थे, उन्हें कुछ ही हफ्तों में फर्क दिखने लगता है।

2. परिवार का विश्वास और सम्मान

नशे की वजह से सबसे ज्यादा चोट परिवार को लगती है। रिश्तों में दरार आती है, बच्चों पर बुरा असर पड़ता है। जब कोई व्यक्ति नशा छोड़ता है, तो वह सिर्फ खुद नहीं बदलता—पूरा परिवार राहत की सांस लेता है। विश्वास लौटता है, सम्मान बढ़ता है।

3. आर्थिक मजबूती

नशा जेब पर लगातार हमला करता है। रोज-रोज का खर्च धीरे-धीरे बड़ी रकम में बदल जाता है। नशा छोड़ने के बाद वही पैसा घर, बच्चों की पढ़ाई, या भविष्य की सुरक्षा में लगाया जा सकता है।

4. समाज में सकारात्मक पहचान

नशे से दूर रहने वाला व्यक्ति समाज के लिए प्रेरणा बनता है। लोग उसे मिसाल के रूप में देखने लगते हैं। वह दूसरों को भी नशा छोड़ने की प्रेरणा दे सकता है।

5. मानसिक शांति और स्पष्ट सोच

नशा दिमाग को धुंधला करता है। निर्णय लेने की क्षमता कम हो जाती है। नशा छोड़ते ही सोच साफ होती है, आत्मविश्वास बढ़ता है और मन में स्थिरता आती है। गुस्सा, चिड़चिड़ापन और तनाव कम होने लगता है।

6. आत्मसम्मान की वापसी

सबसे बड़ा फायदा यही है—खुद की नजरों में खुद का सम्मान बढ़ जाता है। जब आप अपने आप पर नियंत्रण पा लेते हैं, तो दुनिया की कोई भी आदत आपको गुलाम नहीं बना सकती।

नशा छोड़ना मुश्किल जरूर है, लेकिन नामुमकिन नहीं। हर दिन एक नई शुरुआत हो सकती है। याद रखिए, नशे का एक कदम पीछे हटना, जिंदगी के सौ कदम आगे बढ़ने जैसा है।

आज फैसला लीजिए। अपने लिए, अपने परिवार के लिए, और एक बेहतर भविष्य के लिए। क्योंकि असली ताकत नशे में नहीं, नशे को छोड़ देने में है।

— राहुल हिंदुस्तानी की कलम से

राजधानी चौपाल की विशेष मुहिम
"नशा मुक्त हरियाणा"

समाज को नशे की जकड़न से मुक्त करने के संकल्प के साथ राजधानी चौपाल ने एक सराहनीय पहल करते हुए पूरे हरियाणा में 10,000 नशा मुक्ति कैलेंडर वितरित किए। इस जनजागरण अभियान का उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना और युवाओं को सही दिशा की ओर प्रेरित करना है।

इन कैलेंडरों के माध्यम से घर-घर तक यह संदेश पहुँचाया गया कि नशा जीवन को बर्बाद करता है, जबकि संयम और जागरूकता समाज को सशक्त बनाती है। राजधानी चौपाल की यह मुहिम न केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है, बल्कि हरियाणा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम भी है।

राजधानी चौपाल के संपादक राहुल हिंदुस्तानी ने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और समाज के हर वर्ग को इससे जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

संदेश स्पष्ट है — नशे से दूरी, जीवन से दोस्ती।

नशा सिर्फ व्यक्ति को नहीं, पूरे परिवार को तोड़ देता है

नशा करने वाला इंसान अक्सर यही सोचता है कि वह अपनी जिंदगी जी रहा है, उसका शरीर है, उसकी आदत है। लेकिन वह यह भूल जाता है कि उसकी इस "आदत" की कीमत सिर्फ वह नहीं चुका रहा होता... उसका पूरा परिवार हर दिन, हर पल, हर सांस के साथ इसकी सजा भुगत रहा होता है।

घर का माहौल बदल जाता है। जहां कभी हंसी गूंजती थी, वहां अब सन्नाटा पसरा रहता है। जहां उम्मीदें थीं, वहां अब चिंता और डर का बसेरा हो जाता है।

मां की आंखों की नींद सबसे पहले छिनती है। वह रात-रात भर दरवाजे की आहट सुनती रहती है — "मेरा बेटा सही सलामत घर लौट आए।" पिता का सीना अंदर ही अंदर टूटता है, लेकिन वह अपने दर्द को छुपाकर परिवार को संभालने की कोशिश करता है। पत्नी का भरोसा हर रोज थोड़ा-थोड़ा मरता है, और बच्चों का बचपन डर और शर्म में गुजरने लगता है।

नशेड़ी व्यक्ति सिर्फ खुद को बर्बाद नहीं करता, वह अपने घर की आर्थिक स्थिति, सामाजिक सम्मान और रिश्तों की नींव को भी खोखला कर देता है। घर का पैसा इलाज, कर्ज और उसकी आदतों में खत्म होने लगता है। मोहल्ले में चर्चा होने लगती है। रिश्तेदार दूरी बनाने लगते हैं। बच्चे स्कूल में तानों का सामना करते हैं।

सबसे दर्दनाक दृश्य तब होता है जब परिवार के लोग उसे समझाने की कोशिश करते हैं — रोकर, गिड़गिड़ाकर, प्यार से, सख्ती से — लेकिन नशे की गिरफ्त इतनी मजबूत होती है कि वह किसी की सुनने की स्थिति में ही नहीं रहता। नशा व्यक्ति की सोच छीन लेता है, लेकिन परिवार की उम्मीदें नहीं छीन पाता। वे आखिरी सांस तक उम्मीद लगाए रहते हैं कि "शायद आज वह सुधर जाए।"

समाज अक्सर नशा करने वाले को देखता है, लेकिन उसके पीछे टूटते परिवार को नहीं देखता। हमें यह समझना होगा कि नशे की समस्या सिर्फ व्यक्तिगत नहीं, सामाजिक और पारिवारिक त्रासदी है।

जरूरत है संवेदनशीलता की, जागरूकता की, और सबसे ज्यादा जरूरत है उस व्यक्ति तक मदद पहुंचाने की — ताकि एक घर फिर से घर बन सके, सिर्फ चार दीवारें नहीं।

नशा छोड़ना एक व्यक्ति का फैसला हो सकता है, लेकिन उसे छोड़ने के पीछे एक पूरा परिवार खड़ा होता है, जो हर दिन टूटकर भी जुड़ा रहता है। नशे से लड़ाई सिर्फ उस व्यक्ति की नहीं... उसके पूरे परिवार की होती है।

आज के युवाओं को नशे से बचाना क्यों और कैसे?

आज का युवा देश की ताकत है, भविष्य की तस्वीर है और समाज की उम्मीद है। लेकिन दुखद सच यह है कि यही युवा वर्ग आज नशे के जाल में तेजी से फंसता जा रहा है। सिगरेट से शुरू होकर शराब, ड्रग्स और नशीली गोलियों तक की यह लत धीरे-धीरे उनके सपनों, सेहत और परिवार की खुशियों को निगल जाती है। सवाल यह है कि हम अपने बच्चों को इस अंधेरे रास्ते से कैसे बचाएं और उन्हें खेलों व सकारात्मक गतिविधियों की ओर कैसे मोड़ें?

नशे की ओर क्यों बढ़ रहा है युवा?

- दिखावे और गलत संगत का प्रभाव
- तनाव, अवसाद और अकेलापन
- मोबाइल व सोशल मीडिया का दुष्प्रभाव
- घर-परिवार में संवाद की कमी
- खेल और रचनात्मक गतिविधियों का अभाव

जब बच्चे के पास खाली समय ज्यादा होता है और मार्गदर्शन कम, तो वह गलत दिशा में भटक सकता है।

सकारात्मक माहौल जरूरी

यदि आसपास का माहौल खेल, मेहनत और सपनों की बात करेगा, तो युवा उसी दिशा में आगे बढ़ेगा। हमें नशे को "कूल" बताने वाली मानसिकता को तोड़ना होगा।

नशा कोई फैशन नहीं, यह भविष्य का विनाश है। आज जरूरत है कि हम अपने बच्चों का हाथ पकड़कर उन्हें खेल, शिक्षा और अच्छे संस्कारों की राह पर चलाएं। क्योंकि जो युवा आज मैदान में दौड़ता है, वही कल देश को आगे बढ़ाता है। नशे से दूर, खेलों की ओर—यही स्वस्थ समाज और मजबूत राष्ट्र की असली पहचान है।

समाधान की शुरुआत घर से

नशे से बचाने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी परिवार की है। माता-पिता यदि बच्चों के दोस्त बनें, उनकी बात सुनें, समय दें, तो बच्चा अपनी परेशानियां खुलकर साझा करता है। डांट और डर नहीं, बल्कि प्यार और समझ जरूरी है।

खेल: नशे का सबसे बड़ा विकल्प

खेल केवल शरीर को नहीं, दिमाग और सोच को भी स्वस्थ बनाते हैं। जब बच्चा मैदान में पसीना बहाता है, तो नशे की इच्छा अपने आप कम हो जाती है।

- हर कॉलोनी/गांव में खेल मैदान सक्रिय हों
- स्कूलों में खेल प्रतियोगिताएं नियमित हों
- बच्चों को क्रिकेट, कबड्डी, फुटबॉल, एथलेटिक्स जैसे खेलों से जोड़ा जाए
- सुबह-शाम बच्चों को मोबाइल से दूर कर मैदान की ओर प्रेरित किया जाए

समाज और प्रशासन की भूमिका

- नशा बेचने वालों पर सख्त कार्रवाई
- जागरूकता अभियान, रैलियां, सेमिनार
- युवाओं के लिए स्पोर्ट्स क्लब और जिम की व्यवस्था
- स्कूल-कॉलेज में नशा मुक्ति पर विशेष सत्र।

— राहुल हिंदुस्तानी की कलम से

नशा मुक्ति: एक व्यक्ति का संकल्प, पूरे परिवार का पुनर्जन्म और सामाजिक गौरव की वापसी

नशा केवल एक पदार्थ का सेवन नहीं है, बल्कि यह एक हंसते-खेलते संसार को राख में बदल देने वाली अदृश्य अग्नि है। जब कोई व्यक्ति पहली बार नशे की ओर कदम बढ़ाता है, तो वह इसे एक 'प्रयोग' या 'शौक' समझता है, लेकिन धीरे-धीरे यह प्रयोग उसके अस्तित्व को निगलने लगता है। राजधानी चौपाल के माध्यम से आज हम उस मूक पीड़ा और उसके समाधान की गहराई में उतरेंगे, जो हर उस घर की कहानी है जहाँ नशे ने अपने पैर पसारे हैं।

नशे का छलावा: एक 'फर्जी दोस्त' की असलियत

नशा शुरुआत में एक ऐसे मित्र की तरह आता है जो आपको तनाव से मुक्ति और पलों की खुशी का लालच देता है। लेकिन यह मित्रता दरअसल एक जाल है।

- **भ्रामक मानसिक शांति:** नशा मस्तिष्क के 'डोपामाइन' सिस्टम को हाईजैक कर लेता है, जिससे व्यक्ति को अस्थायी सुख मिलता है, लेकिन वास्तविकता में उसका मानसिक संतुलन बिगड़ने लगता है।
- **व्यक्तित्व का पतन:** नशा धीरे-धीरे व्यक्ति की नैतिकता को खत्म कर देता है। एक समय का ईमानदार व्यक्ति नशे की खातिर झूठ बोलने और चोरी करने तक पर उतारू हो जाता है।
- **सामाजिक अलगाव:** नशेड़ी व्यक्ति खुद को एक खोल में बंद कर लेता है, जहाँ उसके और उसके नशे के अलावा किसी तीसरे की जगह नहीं बचती।

शारीरिक और मानसिक खंडहर: जब शरीर साथ छोड़ने लगता है

नशा शरीर के हर अंग को एक युद्धक्षेत्र में बदल देता है। नशा छोड़ने का निर्णय लेते ही शरीर में 'सेल्फ-हीलिंग' की प्रक्रिया शुरू होती है।

- **अंगों का पुनरुद्धार:** शराब छोड़ने पर लीवर, और धूम्रपान छोड़ने पर फेफड़े अपनी खोई हुई क्षमता वापस पाने लगते हैं। हृदय की गति सामान्य होती है और रक्तचाप नियंत्रित रहता है।
- **मानसिक स्पष्टता:** नशे की धुंध हटने पर व्यक्ति की निर्णय लेने की क्षमता वापस आती है। वह फिर से तर्कसंगत सोच रखने में सक्षम होता है।
- **नींद और ऊर्जा का लौट आना:** नशा छोड़ने के कुछ ही हफ्तों बाद प्राकृतिक गहरी नींद लौटने लगती है, जिससे शरीर की दिनभर की थकान मिटती है और व्यक्ति ऊर्जावान महसूस करता है।

पत्नी की मूक वेदना: टूटे भरोसे का फिर से जुड़ना

एक नशेड़ी की पत्नी समाज की सबसे बड़ी 'अदृश्य पीड़ित' होती है। उसकी पीड़ा शब्दों से परे है, लेकिन पति के सुधरने पर उसकी दुनिया में जो बदलाव आता है, वह ईश्वरीय वरदान जैसा है।

- **भय के साये से मुक्ति:** अब उसे आधी रात को दरवाजे की आहट से डर नहीं लगता। घर में गाली-गलौज की जगह सम्मानजनक संवाद की वापसी होती है।
- **आर्थिक सुरक्षा:** पति की कमाई जो पहले जहर खरीदने में जाती थी, अब रसोई के राशन, बच्चों की फीस और भविष्य की बचत में लगने लगती है।
- **स्त्री का गौरव:** समाज में जब लोग उसके पति की तारीफ करते हैं कि उसने नशा छोड़ दिया, तो पत्नी का खोया हुआ मान-सम्मान फिर से स्थापित होता है। वह फिर से सजती-संवरती है और खुशहाल जीवन की कल्पना करती है।
- **सामाजिक स्वीकृति:** बच्चे अब अपने दोस्तों को घर बुलाने से कतराते नहीं हैं। उन्हें अब इस बात का डर नहीं रहता कि उनके पिता नशे की हालत में उनका अपमान करेंगे।

बचपन की वापसी: जब पिता फिर से 'सुपरहीरो' बनता है

नशे का सबसे क्रूर प्रहार मासूम बच्चों पर होता है। नशा छोड़ने के बाद बच्चों के मनोविज्ञान में क्रांतिकारी बदलाव आते हैं।

- **डर का खात्मा:** नशे के कारण जो बच्चे घर के कोनों में दुबक कर रहते थे, अब वे पिता की गोद में उछलते-कूदते हैं। घर का माहौल 'जेल' से 'स्वर्ग' बन जाता है।
- **शिक्षा और आत्मविश्वास:** बच्चों का ध्यान पढ़ाई में वापस आता है। वे स्कूल में अपने पिता का नाम गर्व से लेते हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है।

बुजुर्ग माता-पिता: आंसुओं से आशीष तक का सफर

बुढ़ापे की लाठी जब खुद लड़खड़ाने लगती है, तो माता-पिता का दिल छलनी हो जाता है। बेटे का नशा छोड़ना उनके लिए किसी तीर्थ यात्रा के पुण्य जैसा है।

- **चिंता का अंत:** माँ की आँखों की नींद, जो बेटे के घर लौटने तक गायब रहती थी, अब चैन की नींद में बदल जाती है। पिता का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।
- **वंश की सुरक्षा:** माता-पिता को तसल्ली होती है कि उनका वंश और उनकी संपत्ति अब सुरक्षित हाथों में है। उन्हें बुढ़ापे में दर-दर भटकने का डर नहीं सताता।
- **धार्मिक और सामाजिक संतोष:** वे फिर से समाज के कार्यक्रमों में शामिल होने लगते हैं। उनके लिए यह गर्व की बात होती है कि उनके बेटे ने अपनी कमजोरी पर जीत हासिल की है।

आर्थिक समृद्धि: दरिद्रता से खुशहाली की ओर

नशा केवल स्वास्थ्य नहीं, बल्कि धन का भी दुश्मन है। नशा छोड़ने के बाद घर की वित्तीय स्थिति में बड़ा सुधार आता है।

- **फिजूलखर्ची पर रोक:** नशे पर होने वाला दैनिक खर्च रुकते ही महीने के अंत में बड़ी बचत दिखने लगती है। कर्ज के जाल से मुक्ति मिलने लगती है।
- **कार्यक्षमता में वृद्धि:** व्यक्ति काम पर ज्यादा ध्यान दे पाता है, जिससे उसकी आय के स्रोत बढ़ते हैं। कार्यस्थल पर उसकी विश्वसनीयता बढ़ती है।
- **सपनों का साकार होना:** वह पैसा जो पहले नाली में बह रहा था, अब अपना घर बनाने, गाड़ी खरीदने या बच्चों के उच्च भविष्य के सपनों को पूरा करने में काम आता है।

सामाजिक प्रतिष्ठा: तिरस्कार से सम्मान का मार्ग

समाज नशेड़ी को घृणा की दृष्टि से देखता है, लेकिन नशा छोड़ने वाले को एक विजेता मानता है।

- **रिश्तों का पुनर्मिलन:** वे रिश्तेदार और मित्र जो नशे के कारण दूर हो गए थे, वे फिर से जुड़ने लगते हैं। सामाजिक बहिष्कार खत्म होता है।
- **प्रेरणा का स्रोत:** नशा छोड़ने वाला व्यक्ति समाज के अन्य युवाओं के लिए रोल मॉडल बन जाता है। लोग उसकी इच्छाशक्ति की मिसालें देते हैं।
- **सामुदायिक भागीदारी:** वह व्यक्ति अब सामाजिक कार्यों और मोहल्ले की बैठकों में अपनी राय रख सकता है, जिसे लोग गंभीरता से सुनते हैं।

एक नई शुरुआत का आह्वान

नशा छोड़ना केवल एक पदार्थ को त्यागना नहीं है, बल्कि अपनी आत्मा को पुनर्जीवित करना है। यह यात्रा कठिन हो सकती है, लेकिन इसके परिणाम आपके परिवार की सात पीढ़ियों का भविष्य संवार सकते हैं।

- **संकल्प ही विकल्प है:** याद रखें, पहली जीत मन के भीतर होती है। यदि मन ने मान लिया कि नशा छोड़ना है, तो कोई भी ताकत आपको रोक नहीं सकती।
- **परिवार का साथ:** यह लड़ाई अकेले की नहीं है। परिवार के प्यार और समाज के सहयोग से बड़े से बड़े नशे को हराया जा सकता है।

— राहुल हिंदुस्तानी की कलम से

मस्क का 'लूनर मास्टरप्लान': चांद पर खुलेगी AI की पहली आसमानी फैक्ट्री; सूरज की ऊर्जा से बदलेगा ब्रह्मांड का भूगोल

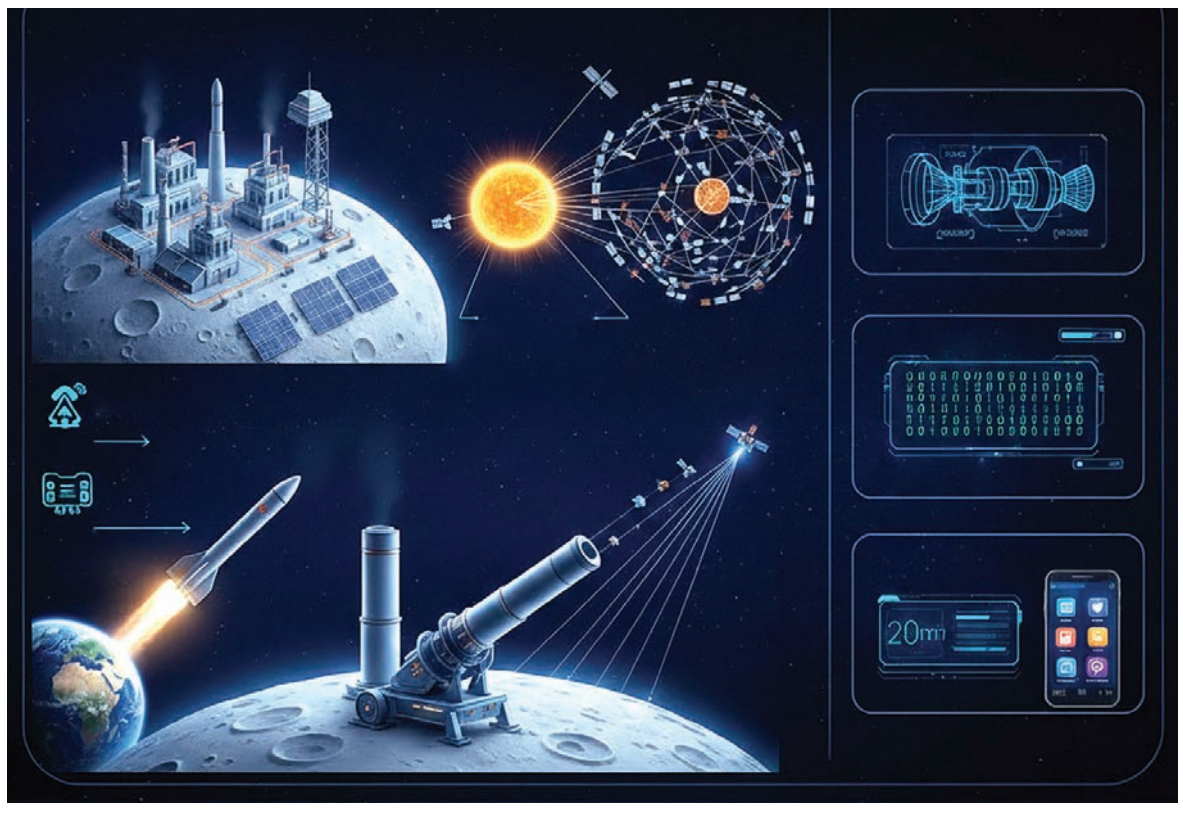

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | इंसानी इतिहास में कुछ पल ऐसे आते हैं जब कल्पना और हकीकत के बीच की लकीर धुंधली पड़ जाती है। दुनिया के सबसे अमीर शख्स और आधुनिक दौर के सबसे बड़े विजनरी इलॉन मस्क ने एक ऐसी ही घोषणा की है जिसने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों, उद्योगपतियों और आम जनमानस को हैरत में डाल दिया है।

मस्क अब केवल पृथ्वी पर शासन करने या मंगल पर बस्तियां बसाने तक सीमित नहीं हैं; उन्होंने चांद को एक 'औद्योगिक हब' में तब्दील करने का खाका पेश किया है। अपनी एआई कंपनी XAI की एक आंतरिक बैठक के लीक हुए 45 मिनट के वीडियो ने यह साफ कर दिया है कि मस्क का अगला मिशन चांद पर एआई सैटेलाइट फैक्ट्री लगाना है। यह केवल एक फैक्ट्री नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को 'इंटरस्टेलर' (तारों के बीच यात्रा करने वाली) प्रजाति बनाने की दिशा में पहला ठोस कदम है।

पृथ्वी की सीमाएं और चांद का चुनाव: एक रणनीतिक अनिवार्यता

मस्क ने अपने संबोधन की शुरुआत एक कड़वी सच्चाई से की—पृथ्वी की ऊर्जा क्षमता अब एआई की बढ़ती भूख के लिए नाकाफी है। मस्क का मानना है कि एआई का विकास बिजली की खपत पर टिका है, और पृथ्वी पर हम जिस ग्रिड सिस्टम का इस्तेमाल कर रहे हैं, वह टेरावॉट स्तर की कंप्यूटिंग शक्ति प्रदान नहीं कर सकता। चांद का चयन मस्क ने दो मुख्य कारणों से किया है: पहला, वहां वायुमंडल नहीं है, जिससे सौर ऊर्जा को बिना किसी बाधा के सीधे प्राप्त किया जा सकता है। दूसरा, चांद की गुरुत्वाकर्षण शक्ति (ग्रेविटी) पृथ्वी का मात्र छठा हिस्सा है। इसका मतलब है कि वहां से भारी मशीनों और सैटेलाइट्स को अंतरिक्ष में लॉन्च करना धरती के मुकाबले न केवल आसान है, बल्कि इसमें ईंधन का खर्च भी नगण्य हो जाएगा।

'डाइसन स्फीयर' की ओर कदम: सूरज की असीमित शक्ति का दोहन

इस पूरे प्रोजेक्ट का सबसे रोमांचक हिस्सा है सूरज की ऊर्जा को 'कैप्चर' करना। मस्क ने बताया कि वर्तमान में मानव सभ्यता सूरज की कुल क्षमता का मात्र एक छोटा सा अंश ही इस्तेमाल कर पा रही है। उनका विजन प्रसिद्ध भौतिक विज्ञानी फ्रीमैन डाइसन के 'डाइसन स्फीयर' कॉन्सेप्ट से प्रेरित है। मस्क चांद पर ऐसी फैक्ट्रियां बनाएंगे जो लाखों की संख्या में एआई संचालित सैटेलाइट्स तैयार करेंगी। ये सैटेलाइट्स सूरज के चारों ओर एक विशाल घेरा बनाएंगे। मस्क के अनुसार, यदि हम सूरज की कुल ऊर्जा का 10 लाखवां हिस्सा भी हासिल कर लें, तो हमारे पास आज की तुलना में 10 लाख गुना ज्यादा बिजली होगी। यह बिजली इतनी होगी कि हम पूरे सौर मंडल को रोशन कर सकेंगे।

'मास ड्राइवर' तकनीक: बिना रॉकेट के अंतरिक्ष की सैर

मस्क ने चांद पर एक 'मास ड्राइवर' (MASS DRIVER) स्थापित करने की योजना साझा की है। यह एक विद्युत चुम्बकीय प्रक्षेपण प्रणाली (ELECTROMAGNETIC LAUNCH SYSTEM) है। सरल शब्दों में कहें तो यह एक ऐसी विशालकाय गुलेल या लॉन्चर होगा जो बिजली की मदद से सैटेलाइट्स को सीधे चांद की सतह से डीप स्पेस में फेंक देगा। चूंकि चांद पर हवा का प्रतिरोध नहीं है, इसलिए ये सैटेलाइट्स बिना किसी घर्षण के अंतरिक्ष में अनंत दूरी तय कर सकेंगे। इससे रॉकेट पर होने वाले अरबों डॉलर के खर्च की बचत होगी और हम हर साल हजारों नहीं, बल्कि लाखों सैटेलाइट्स अंतरिक्ष के उन कोनों में भेज सकेंगे जहाँ आज तक कोई नहीं पहुँच पाया है।

मैक्रोहार्ड प्रोजेक्ट: एआई जब खुद बनेगा 'चीफ इंजीनियर'

मस्क ने XAI के भीतर एक गुप्त और शक्तिशाली टीम का गठन किया है जिसे उन्होंने 'मैक्रोहार्ड' (MACRO HARD) नाम दिया है। यह नाम मस्क के चिर-परिचित मजाकिया अंदाज में माइक्रोसॉफ्ट पर किया गया कटाक्ष है। मैक्रोहार्ड का लक्ष्य सामान्य सॉफ्टवेयर बनाना नहीं, बल्कि पूरी की पूरी कंपनियों और जटिल मशीनों का 'डिजिटल सिमुलेशन' तैयार करना है। मस्क चाहते हैं कि एआई खुद रॉकेट के इंजन डिजाइन करे। इस प्रणाली में एआई इतना सक्षम होगा कि वह रॉकेट के हजारों पुर्जों को डिजाइन करेगा, उनकी मजबूती की जांच करेगा और उनके निर्माण की प्रक्रिया तय करेगा। इससे इंसानी गलती की 0% गुंजाइश होगी और स्पेसएक्स जैसे मिशनों की रफ्तार 100 गुना बढ़ जाएगी।

ऑर्गेनाइजेशनल सर्जिकल स्ट्राइक: क्यों निकाली गई फाउंडिंग टीम?

मस्क को उनके कठोर फैसलों के लिए जाना जाता है। मीटिंग में उन्होंने खुलासा किया कि XAI की शुरुआत करने वाले 12 मुख्य सदस्यों में से 6 को बाहर कर दिया गया है। मस्क का तर्क है कि महान लक्ष्य को पाने के लिए टीम का हर सदस्य 'सुपर-एफिशिएंट' होना चाहिए। अब कंपनी को चार मुख्य स्तंभों में बांटा गया है:

- **ग्रोक टीम:** वॉयस और चैट फीचर्स के लिए।
- **कोडिंग टीम:** बाइनरी रिवोल्यूशन के लिए।
- **इमेजिन टीम:** 20 मिनट लंबे एआई वीडियो जेनरेशन के लिए।
- **मैक्रोहार्ड टीम:** औद्योगिक मॉडलिंग और रॉकेट डिजाइन के लिए।

सौर मंडल में इंसानी बस्तियां और एवरीथिंग एप

मस्क का अंतिम विजन एक ऐसी दुनिया है जहाँ इंसान केवल पृथ्वी का कैदी न रहे। चांद की फैक्ट्री से जो ऊर्जा कैप्चर होगी, वह सौर मंडल के किसी भी ग्रह पर इंसानी बस्तियां बसाने के लिए पर्याप्त होगी। इसके साथ ही, वे 'ग्रोक' को एक 'एवरीथिंग एप' (EVERYTHING APP) में बदलना चाहते हैं। यह एप आपके वित्तीय फैसले लेगा, आपके लिए जहाज डिजाइन करेगा, आपके स्वास्थ्य की निगरानी करेगा और अंतरिक्ष यात्रा का जरिया बनेगा। मस्क का दावा है कि उनके वॉयस मॉडल अब ओपन एआई जैसे प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ने के लिए तैयार हैं।

एलियंस से मिलन: क्या मस्क ने कुछ बड़ा खोज लिया है?

मीटिंग के सबसे रहस्यमयी हिस्से में मस्क ने 'एलियंस' का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि असीमित ऊर्जा और एआई की सोचने की असीमित शक्ति हमें ब्रह्मांड के उन रहस्यों तक ले जाएगी जो आज तक छिपे हैं। मस्क का मानना है कि यदि इस ब्रह्मांड में दूसरी उन्नत सभ्यताएं मौजूद हैं, तो चांद पर मौजूद हमारा 'एआई रेडियो और एनर्जी हब' उनसे संपर्क करने वाला पहला माध्यम बन सकता है।

कोडिंग का अंत: प्रोग्रामर्स के लिए चेतावनी?

मस्क का एक और बड़ा दावा यह है कि आने वाले समय में कोडिंग की भाषाएं जैसे जावा, पायथन या सी++ इतिहास बन जाएंगी। मस्क ने कहा कि 2026 के अंत तक एआई सीधे 'बाइनरी' (0 और 1) में फाइलें बनाना शुरू कर देगा। अभी इंसान कोड लिखता है, जिसे कंपाइलर मशीनी भाषा में बदलता है। मस्क का एआई सीधे मशीनी भाषा में बात करेगा, जिससे प्रोसेसिंग की गति अविश्वसनीय रूप से बढ़ जाएगी। उनका दावा है कि उनका 'ग्रोक कोड' मॉडल अगले कुछ महीनों में दुनिया का सबसे बेहतरीन कोडिंग टूल बन जाएगा, जो किसी भी जटिल सॉफ्टवेयर को चंद सेकंड में तैयार कर देगा।

मेम्फिस क्लस्टर: धरती पर बन रहा 'विशाल डिजिटल मस्तिष्क'

चांद पर जाने से पहले मस्क धरती पर अपनी कंप्यूटिंग शक्ति को चरम पर पहुँचा रहे हैं। उन्होंने 'मेम्फिस क्लस्टर' का जिक्र किया, जो इस वक्त दुनिया का सबसे बड़ा सुपरकंप्यूटर क्लस्टर है। 1363 किलोमीटर लंबी फाइबर केबल और हजारों अत्याधुनिक एनवीडिया जीपीयू (GPUs) के साथ यह क्लस्टर चौबीसों घंटे 'ग्रोक' (Grok) को ट्रेनिंग दे रहा है। मस्क की टीम ने इस विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर को रिकॉर्ड 6 हफ्तों में खड़ा कर दिया है, जिसे बनाने में आमतौर पर बरसों लग जाते हैं। यह सुपरकंप्यूटर ही वह दिमाग है जो चांद की फैक्ट्री को नियंत्रित करेगा।

तकनीकी-नैतिक चुनौतियां: क्या यह सब संभव है?

इतने विशाल विजन के साथ चुनौतियां भी पहाड़ जैसी हैं। चांद पर फैक्ट्री लगाने के लिए रोबोटिक मैन्युफैक्चरिंग को उस स्तर तक ले जाना होगा जहाँ बिना इंसानी मदद के मशीनें खुद को रिपेयर कर सकें। इसके अलावा, सौर ऊर्जा को चांद से पृथ्वी तक भेजने के लिए 'माइक्रोवेव एनर्जी ट्रांसमिशन' जैसी तकनीकों पर अभी बहुत काम होना बाकी है। साथ ही, अंतरिक्ष के निजीकरण और एक व्यक्ति के हाथ में इतनी बड़ी मशीनी ताकत होने पर भी वैश्विक स्तर पर नैतिक सवाल उठ रहे हैं।

ओप्पो एनको बड्स 3 प्रो+ रिव्यू : क्या 2,499 में ये बड्स हैं 'साउंड के सुल्तान'

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| बजट ऑडियो सेगमेंट में प्रतिस्पर्धा को तेज करते हुए ओप्पो ने एनको बड्स 3 प्रो+ को बाजार में उतारा है। 2,499 की कीमत वाले इन बड्स के साथ हमने पिछले 60 दिन बिताए ताकि यह जान सकें कि क्या ये लंबी रेस के घोड़े हैं। एक्टिव नॉइज कैंसलेशन (ANC) और डुअल-डिवाइस कनेक्टिविटी जैसे फीचर्स के साथ आने वाला यह गैजेट पहली नजर में काफी 'वैल्यू फॉर मनी' नजर आता है।

डिजाइन और कंफर्ट: मैट फिनिश का प्रीमियम अहसास

डिजाइन के मामले में ये बड्स ओप्पो की क्लासिक स्टाइल को आगे बढ़ाते हैं। 'सोनिक ब्लू' और 'मिडनाइट ब्लैक' कलर में उपलब्ध इन बड्स का केस मैट फिनिश के साथ आता है, जिससे इस पर फिंगरप्रिंट्स नहीं पड़ते। राउंड एजेस और हल्के वजन के कारण ये कानों में काफी आरामदायक हैं। हमारी 60 दिनों की टेस्टिंग में पाया गया कि लंबे समय तक इस्तेमाल के बाद भी कानों में बोझ महसूस नहीं होता। हालांकि, बॉक्स में चार्जिंग केबल न होना कुछ यूजर्स को निराश कर सकता है।

साउंड क्वालिटी और ANC: बेस में दम, शोर पर पकड़

बेहतर ऑडियो के लिए इसमें 12.4 MM का बड़ा ड्राइवर दिया गया है, जो संगीत सुनते समय पावरफुल बेस प्रदान करता है। यदि आप बेस-हैवी म्यूजिक पसंद करते हैं, तो ये आपको निराश नहीं करेंगे। कॉलिंग के लिए ड्यूल माइक्रोफोन सेटअप काफी स्पष्ट है। इसमें 32DB तक का एक्टिव नॉइज कैंसलेशन दिया गया है। यह ऑफिस या घर के हल्के शोर को प्रभावी ढंग से काट देता है, लेकिन भारी ट्रैफिक या बहुत ज्यादा भीड़ वाली जगहों पर इसका असर थोड़ा कम महसूस होता है।

अन्य फीचर्स और रेटिंग

जिम लवर्स के लिए इसमें IP55 रेटिंग दी गई है, जो पसीने और हल्की बारिश से बचाव करती है। 'डुअल कनेक्शन' फीचर के जरिए आप एक साथ दो डिवाइस (जैसे फोन और लैपटॉप) से जुड़ सकते हैं, जो मल्टीटास्किंग के लिए बेहतरीन है। इसका मुकाबला बाजार में मौजूद रियलमी और बोट के उन मॉडल्स से है जो 3,000 से कम की रेंज में आते हैं।

बैटरी-बैकअप: पूरे हफ्ते की छुट्टी

इस पैकेज की सबसे बड़ी ताकत इसकी बैटरी है। बिना ANC के यह कुल 43 घंटे का बैकअप देता है। हमारी टेस्टिंग में बड्स ने एक बार चार्ज करने पर करीब 6 घंटे का प्लेबैक दिया। इसके साथ ही इसमें फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट है—सिर्फ 10 मिनट की चार्जिंग आपको 2 घंटे का म्यूजिक टाइम दे देती है। ओप्पो का दावा है कि 1000 बार चार्ज होने के बाद भी बैटरी अपनी 80% क्षमता बनाए रखेगी, जो इसे एक टिकाऊ गैजेट बनाता है।

वेस्पा 'ऑफिसिना 8' का भारत में आगाज : 1944 के इतिहास और मॉडर्न इंजीनियरिंग का बेजोड़ संगम

मेटैलिक ब्लू फिनिश और ब्रास टोन के साथ लौटा 'क्लासिक' दौर; जानें 1.34 लाख वाले इस स्कूटर की खासियतें

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| प्रीमियम स्कूटरों की दुनिया में अपनी अलग पहचान रखने वाले इटालियन ब्रांड 'वेस्पा' ने भारतीय बाजार में अपनी विरासत का एक नया अध्याय जोड़ दिया है। कंपनी ने अपना बहुप्रतीक्षित स्पेशल एडिशन स्कूटर 'वेस्पा ऑफिसिना 8' (VESPA OFFICINA 8) लॉन्च कर दिया है। यह स्कूटर केवल एक वाहन नहीं, बल्कि उन इंजीनियरों को श्रद्धांजलि है जिन्होंने 1944 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इटली की एक छोटी सी वर्कशॉप में वेस्पा का पहला सपना बुना था।

इतिहास से जुड़ा नाम: क्या है 'ऑफिसिना 8' की कहानी?

इस स्कूटर का नाम 'ऑफिसिना 8' पियाजियो के पोंटेडेरा प्लांट के अंदर बनी उस रहस्यमयी वर्कशॉप से लिया गया है, जहाँ इंजीनियरों की एक टोली ने सामान्य प्रोडक्शन से हटकर कुछ नया बनाने का जोखिम उठाया था। इसी वर्कशॉप की मेहनत का नतीजा था कि 1946 में दुनिया को पहला वेस्पा स्कूटर मिला। आज, 80 साल बाद वेस्पा ने उसी गौरवशाली इतिहास को भारत की सड़कों पर उतारने का फैसला किया है।

ऑफिसिना 8 का सबसे आकर्षक पहलू इसका विंटेज और इंडस्ट्रियल लुक है। इसकी बॉडी पूरी तरह स्टील से बनी है, जो इसे मजबूती और क्लासिक एहसास देती है। स्कूटर को एक विशेष 'मैट मेटैलिक ब्लू' पेंट स्कीम दी गई है। इसमें ब्रास (पीतल) और एल्युमीनियम टोन के रिवेट्स (RIVETS) का इस्तेमाल किया गया है, जो 1940 के दशक की इंजीनियरिंग की याद दिलाते हैं। सिग्नेचर राउंड हेडलैंप और प्रीमियम रिब्ड सीट इसे एक 'कलेक्टर आइटम' बनाती हैं।

परफॉर्मेंस: दो दमदार इंजनों का विकल्प

वेस्पा ने इस स्पेशल एडिशन को दो अलग-अलग जरूरतों के हिसाब से उतारा है:

- **125cc वैरिएंट:** इसमें सिंगल सिलिंडर I-GET इंजन है, जो 10BHP की पावर जनरेट करता है। यह उन लोगों के लिए बेहतरीन है जिन्हें शहर की ट्रैफिक में स्टाइल के साथ स्मूद राइड चाहिए।
- **150cc वैरिएंट:** यह अधिक पावरफुल है और उन राइडर्स के लिए है जो हाईवे और लंबी यात्राओं में बेहतर परफॉर्मेंस की तलाश में रहते हैं।
- **माइलेज के मोर्चे पर भी यह स्कूटर निराश नहीं करता;** जहाँ 125CC मॉडल 45-50 KMPL तक का माइलेज देता है, वहीं 150CC वैरिएंट 40-45 KMPL का माइलेज देने में सक्षम है।

भले ही इसका लुक रेट्रो है, लेकिन इसके अंदर की तकनीक पूरी तरह आधुनिक है। इसमें एयरक्राफ्ट-इन्स्पायर्ड सिंगल-साइडेड सस्पेंशन और पीछे हाइड्रोलिक शॉक एब्जॉर्बर दिए गए हैं। ब्रेकिंग के लिए इसमें डिस्क ब्रेक और अलॉय व्हील्स मिलते हैं। साथ ही, राइडर को जरूरी जानकारी देने के लिए एक डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर भी जोड़ा गया है।

वेस्पा ऑफिसिना 8 की शुरुआती कीमत 1.34 लाख (एक्स-शोरूम, महाराष्ट्र) तय की गई है। प्रीमियम लुक और इतिहास की कद्र करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन निवेश साबित हो सकता है।

न्यूज ब्रीफ

टेक्नो पोवा कर्व 2 लॉन्च: 8000mAh बैटरी के साथ दुनिया का सबसे पतला कर्व्ड फोन

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| टेक कंपनी टेक्नो (TECNO) ने भारतीय बाजार में अपना नया स्मार्टफोन पोवा कर्व 2 लॉन्च कर दिया है। यह फोन कई मायनों में दुनिया का पहला और अनोखा स्मार्टफोन बनकर उभरा है। इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी 8000MAH की विशालकाय बैटरी है, जिसे चार्ज करने के लिए 45W फास्ट चार्जिंग का सपोर्ट दिया गया है। कंपनी का दावा है कि इतनी बड़ी बैटरी के बावजूद यह दुनिया का सबसे पतला (7.42MM) कर्व्ड डिस्प्ले वाला फोन है। तकनीकी तौर पर, यह भारत का पहला फोन है जो मीडियाटेक डायमेंसिटी 7100 प्रोसेसर के साथ आता है। फोन में 6.78 इंच की 1.5K कर्व्ड एमोलेड डिस्प्ले दी गई है, जो 144HZ रिफ्रेश रेट और 4500 निट्स की ब्राइटनेस को सपोर्ट करती है। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50MP का मुख्य कैमरा और सेल्फी के लिए 13MP का फ्रंट कैमरा है। यह लेटेस्ट एंड्रॉएड 16 पर आधारित HIOS 16 पर काम करता है। इसके 8GB+128GB वैरिएंट की कीमत 27,999 और 8GB+256GB की कीमत 29,999 रखी गई है। 20 फरवरी से शुरू होने वाली सेल में कंपनी 3,000 का डिस्काउंट भी दे रही है।

'गैलेक्सी अनपैक्ड' 25 फरवरी को: टाइटेनियम बॉडी और 200MP कैमरे के साथ आएगा S26 अल्ट्रा

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी सैमसंग ने अपने वार्षिक मेगा इवेंट 'गैलेक्सी अनपैक्ड 2026' की तारीख का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। यह कार्यक्रम 25 फरवरी को आयोजित होगा, जिसमें कंपनी अपनी बहुप्रतीक्षित फ्लैगशिप सीरीज गैलेक्सी S26 को दुनिया के सामने पेश करेगी। इस सीरीज में तीन दमदार मॉडल्स—गैलेक्सी S26, S26 प्लस और S26 अल्ट्रा शामिल होंगे। सैमसंग इस बार डिजाइन में बड़े बदलाव करने जा रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, बेस मॉडल गैलेक्सी S26 मात्र 6.9MM पतला होगा, जो इसे अब तक के सबसे स्लिम और हल्के फ्लैगशिप फोंस में से एक बनाएगा। वहीं, प्रीमियम मॉडल S26 अल्ट्रा में 'ग्रेड-5 टाइटेनियम' फ्रेम का इस्तेमाल किया जाएगा, जो इसे मजबूती के साथ एक प्रीमियम विंटेज लुक देगा। अल्ट्रा मॉडल की सबसे बड़ी ताकत इसका 200MP का मुख्य कैमरा और नया 'स्नैपड्रैगन 8 एलीट जेन 5' प्रोसेसर होगा। इस बार सैमसंग का पूरा फोकस एडवांस एआई (AI) फीचर्स पर है, जो न केवल फोटोग्राफी बल्कि गेमिंग और मल्टीटास्किंग को भी अगले स्तर पर ले जाएंगे। पूरी सीरीज IP68 रेटिंग के साथ आएगी, जो इसे पानी और धूल से सुरक्षित रखेगी।

AI का नया अवतार: चैटबॉट्स अब बनेंगे सेल्समैन; विज्ञापन और शॉपिंग के लिए छिड़ी महाजंग

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | फरवरी 2026 की शुरुआत के साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया एक बड़े बदलाव की गवाह बन रही है। अब तक केवल सवालों के जवाब देने वाले एआई चैटबॉट्स अब विज्ञापनों और सीधी खरीदारी के माध्यम बनने जा रहे हैं। ओपनएआई (OPENAI) और गूगल (GOOGLE) ने जहाँ कमाई के लिए 'एडवर्टाइजमेंट मॉडल' अपना लिया है, वहीं एंथ्रोपिक (ANTHROPIC) ने इसका कड़ा विरोध करते हुए इसे यूजर के भरोसे के साथ खिलवाड़ बताया है।

ओपनएआई ने 9 फरवरी 2026 से अमेरिका में अपने 'फ्री' और नए ' गो' प्लान वाले यूजर्स के लिए विज्ञापनों की टेस्टिंग शुरू

कर दी है। ये विज्ञापन बातचीत के विषय के आधार पर होंगे। उदाहरण के लिए, यदि आप किसी रेसिपी के बारे में पूछ रहे हैं, तो आपको किराना डिलीवरी या मील-किट के विज्ञापन दिखाई दे सकते हैं। कंपनी का दावा है कि ये विज्ञापन मुख्य जवाबों से अलग 'स्पॉन्सर्ड लेबल' के साथ दिखेंगे और इनसे एआई के उत्तरों की निष्पक्षता प्रभावित नहीं होगी।

गूगल ने अपनी विज्ञापन शक्ति को एआई मोड और जेमिनी (GEMINI) एप में और मजबूत किया है। कंपनी ने 'डायरेक्ट ऑफर्स' नाम का नया फीचर लॉन्च किया है। इसके जरिए रिटेलर्स अपने डिस्काउंट और कूपन सीधे एआई सर्च रिजल्ट्स में दिखा सकेंगे। यूजर अब जेमिनी चैट के भीतर ही 'एट्सी' (ETSY) और 'वेफेयर' (WAYFAIR) जैसे प्लेटफॉर्म्स से सामान खरीद सकेंगे। गूगल का लक्ष्य 'सर्च' को सीधे 'स्टोरफ्रंट' में बदलना है।

इन दोनों कंपनियों के विपरीत, एंथ्रोपिक ने अपने चैटबॉट क्लाउड (CLAUDE) को पूरी तरह विज्ञापन-मुक्त रखने की कसम खाई है। कंपनी ने सुपर बाउल 2026 के दौरान विज्ञापनों के जरिए अपने प्रतिद्वंद्वियों का मजाक उड़ाया। एंथ्रोपिक का तर्क है कि चैट के बीच सेल्स पिच या प्रमोशनल मैसेज यूजर के भरोसे को कमजोर करते हैं। कंपनी का फोकस विज्ञापन के बजाय सब्सक्रिप्शन और एंटरप्राइज लाइसेंसिंग से कमाई करने पर है।

एआई इंडस्ट्री अब मोनेटाइजेशन (कमाई) के दबाव में है। जहाँ ओपनएआई और गूगल इसे अपनी विशाल इंफ्रास्ट्रक्चर लागत निकालने का जरिया मान रहे हैं, वहीं एंथ्रोपिक इसे 'यूजर ट्रस्ट' का मुद्दा बना रही है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि भारतीय बाजार में ये विज्ञापन किस तरह स्वीकार किए जाते हैं।

मुंबई को एपल का नया तोहफा: 26 फरवरी को बोरीवली में खुलेगा देश का 6वां एक्सक्लूसिव स्टोर

मुंबई/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | दुनिया की दिग्गज टेक कंपनी एपल (APPLE) भारत में अपनी रिटेल मौजूदगी को नई ऊंचाइयों पर ले जा रही है। कंपनी ने घोषणा की है कि वह 26 फरवरी 2026 को मुंबई के बोरीवली में अपना छठवां आधिकारिक स्टोर खोलने जा रही है। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) के बाद यह आर्थिक राजधानी में एपल का दूसरा स्टोर होगा। बोरीवली जैसे प्रीमियम रिहायशी और कमर्शियल हब को चुनना यह साफ करता है कि कंपनी अब उन इलाकों पर फोकस कर रही है जहाँ हाई-एंड कंज्यूमर बेस ज्यादा है।

बोरीवली स्टोर की खासियतें: जीनियस बार और लेटेस्ट रेंज : बोरीवली में खुलने वाला यह स्टोर

एपल के ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के अनुरूप डिजाइन किया गया है। यहाँ ग्राहकों को न केवल आईफोन 17 सीरीज, मैकबुक और वॉच सीरीज जैसे लेटेस्ट प्रोडक्ट्स मिलेंगे, बल्कि एपल की सिग्नेचर 'जीनियस बार' सर्विस भी मिलेगी। इस सेवा के तहत एपल के प्रशिक्षित एक्सपर्ट्स ग्राहकों की तकनीकी समस्याओं का ऑन-द-स्पॉट समाधान करते हैं। इसके अलावा, यहाँ 'ट्रेड-इन प्रोग्राम' की सुविधा भी होगी, जिसके जरिए ग्राहक अपने पुराने स्मार्टफोन को एक्सचेंज कर नया आईफोन आकर्षक कीमतों पर ले सकेंगे।

एपल का इंडिया सफर: 2023 से 2026 तक का विस्तार : एपल ने भारत में अपना पहला रिटेल सफर अप्रैल 2023 में मुंबई और दिल्ली से शुरू किया था। इसके बाद 2025 में कंपनी ने अपनी रणनीति में तेजी लाते हुए बेंगलुरु, पुणे और नोएडा में तीन और आउटलेट्स खोले। अब बोरीवली स्टोर के साथ संख्या 6 हो गई है। कंपनी का अगला लक्ष्य हैदराबाद और अन्य मेट्रो शहरों में पहुंचना है। सीईओ टिम कुक के नेतृत्व में कंपनी ने 2027 तक भारत में स्टोर्स की कुल संख्या 10 से ज्यादा करने का लक्ष्य रखा है।

रिटेल विस्तार के पीछे 'मेक इन इंडिया' का हाथ : एपल के इस आक्रामक रिटेल विस्तार के पीछे भारत में बढ़ती मैन्युफैक्चरिंग एक बड़ा आधार है। सरकार की पीएलआई (PLI) स्कीम के तहत अब आईफोन का बड़े पैमाने पर भारत में उत्पादन हो रहा है। स्थानीय उत्पादन बढ़ने से कंपनी की सप्लाई चेन मजबूत हुई है और लॉजिस्टिक लागत में कमी आई है, जिससे कंपनी के लिए नए एक्सक्लूसिव स्टोर्स खोलना आसान हो गया है।

रफल्स, लेस और फ्लोइंग स्लीव्स की वापसी

जानें इस महीने के 3 सबसे लोकप्रिय बोहेमियन स्टाइल सेन्टेंस

फरवरी की हल्की गुलाबी ठंड और खिलती धूप के बीच फैशन की दुनिया में 'बोहेमियन लुक' ने एक बार फिर धमाकेदार वापसी की है। बोहो फैशन केवल एक स्टाइल नहीं, बल्कि आजादी और रचनात्मकता का प्रतीक है। इस महीने 'बोहो ब्लाउज' फैशन लवर्स का पसंदीदा बना हुआ है। अगर आप भी अपने वार्डरोब को एक फ्रेश और फ्री-स्पिरिट लुक देना चाहती हैं, तो ये 3 स्टाइलिंग टिप्स आपके काम आएंगे।

1. ऑफ-शोल्डर रफल्स और डेनिम का कॉम्बो

ऑफ-द-शोल्डर ब्लाउज, जो रफल टीयर्स (परतों) और लेस के साथ डिजाइन किए जाते हैं, इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण हैं। इनका सिल्हूट काफी ताजगी भरा होता है और पहनने वाले को पूरी स्वतंत्रता का अहसास देता है।

▪ **कैसे पहनें :** इसे आप फ्लेयर्ड या बैगी जीन्स के साथ पेयर करें। यह कैजुअल लुक वीकेंड आउटिंग के लिए एकदम परफेक्ट है। बेहतर लुक के लिए इसे प्लेटफॉर्म सैंडल्स के साथ पहनें, जो आपको एक स्टाइलिश हाइट और कॉन्फिडेंस देगा।

2. लेस ब्लाउज और मिडी स्कर्ट: फेमिनिन चार्म

अगर आप कुछ नाजुक और कलात्मक पहनना चाहती हैं, तो लेस फैब्रिक वाले बोहो ब्लाउज बेहतरीन विकल्प हैं। डेलिकेट फैब्रिक और फूलों की एम्बेलिशमेंट (कढ़ाई) वाले ब्लाउज बोहेमियन स्टाइल को बेहद खूबसूरती से पेश करते हैं।

▪ **कैसे पहनें :** इन्हें लंबी फ्लोरल प्रिंट वाली मिडी स्कर्ट्स के साथ पहनें। अपनी कमर को हाइलाइट करने के लिए इसके साथ 'डबल बेल्ट' का प्रयोग करें। यह स्टाइलिंग आपको एक परफेक्ट फेमिनिन और एलिगेंट लुक देगी।

3. फ्लोइंग स्लीव्स और विंटेज प्रिंट्स

बोहेमियन ट्रेंड अपनी प्रिंट्स की खूबसूरती के लिए जाना जाता है। चाहे वह फ्लोरल मोटिफ्स हों या ज्योमेट्रिक पैटर्न, फ्लोइंग स्लीव्स (खुली और लहराती आस्तीन) वाले ब्लाउज एक अलग ही विजुअल चार्म पैदा करते हैं।

▪ **कैसे पहनें :** इन ब्लाउज में अक्सर ट्रांसलूसेंट (अर्ध-पारदर्शी) पैनल्स का इस्तेमाल होता है जो इन्हें विंटेज लुक देते हैं। इन्हें क्लासिक डेनिम पैंट्स के साथ पहनें। यदि आप एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं, तो 'हेड-टू-टो' प्रिंटेड लुक (ऊपर और नीचे एक जैसा प्रिंट) भी ट्राई कर सकती हैं।

मस्ट-हैव फैशन बनी कलरफुल लेदर स्कर्ट

बोल्ड और एलिगेंट लुक की नई पहचान

2026 में कलरफुल लेदर स्कर्ट फैशन की नई पहचान बन रही है। ट्रेडिशनल ब्लैक और ब्राउन से हटकर अब रेड, ब्लू, ग्रीन और पेस्टल शेड्स लेदर में नजर आ रहे हैं। ये स्कर्ट्स बोल्ड होने के साथ एलिगेंट और पहनने में बेहद स्टाइलिश भी हैं। फैशन रनवे पर भी खूब दिख रही हैं....

रंगों का नया रिवोल्यूशन और लेदर का स्वरूप

साल 2026 में फैशन की दुनिया एक बड़े बदलाव की गवाह बन रही है। पारंपरिक ब्लैक और ब्राउन लेदर के बोरियत भरे दौर को पीछे छोड़ते हुए अब 'कलरफुल लेदर स्कर्ट' फैशन की नई पहचान बन गई है। रनवे से लेकर स्ट्रीट फैशन तक, अब रेड, डीप ब्लू, फॉरेस्ट ग्रीन और सॉफ्ट पेस्टल शेड्स की धूम है। ये स्कर्ट्स न केवल पहनने में बेहद आरामदायक हैं, बल्कि ये एक साथ बोल्ड और एलिगेंट लुक देने की क्षमता रखती हैं।

मिडी और लॉन्गेटः क्लासिक और स्लीक कॉम्बिनेशन

मिडी स्कर्ट में इस बार 'साइड बकल्स' का स्पोर्टी टच देखा जा रहा है, जो इसे स्मार्ट लुक देता है। वहीं, मिडी और मैक्सी के बीच आने वाली 'लॉन्गेट' स्कर्ट बेहद क्लासी और स्लीक नजर आती है। हाल ही में रनवे पर 'लो-वेस्ट बटर येलो' लॉन्गेट स्कर्ट ने सबका ध्यान खींचा। इसमें पेंसिल कट और प्लीटेड जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जो वर्किंग विमेंस के लिए बेहतरीन चॉइस हैं।

ग्लैमर और कलर ब्लॉकिंग

साइड, फ्रंट या बैक स्लिट वाली कलरफुल लेदर स्कर्ट को इस सीजन में विशेष सराहना मिल रही है। इन्हें 'टोन-ऑन-टोन' क्रॉप्ड जैकेट के साथ पेयर किया जा रहा है। वहीं, मैक्सी लेदर स्कर्ट में 'कलर ब्लॉकिंग' का ट्रेंड जोरों पर है। चॉकलेट और बरगंडी के साथ पिंक या ग्रीन का कॉम्बिनेशन इसे और भी अनोखा बनाता है। इनके साथ पंप्स या बैले फ्लैट्स पहनकर आप एक हाई-एंड फैशन स्टेटमेंट दे सकती हैं।

फैशन टिप्सः लेदर स्कर्ट को कैसे करें स्टाइल?

▪ **कलर चॉइसः** इस सीजन बटर येलो, फायर-रेड और गहरे बरगंडी को प्राथमिकता दें।
▪ **पेयरिंगः** स्कर्ट को उसी रंग की क्रॉप्ड जैकेट या बेसिक व्हाइट शर्ट के साथ पहनें।
▪ **फुटवियरः** लॉन्गेट स्कर्ट के साथ पॉइंटेड पंप्स और मिडी के साथ प्लेटफॉर्म सैंडल्स बेस्ट लगते हैं।
▪ **एक्सेसरीजः** लेदर की बोल्डनेस को बैलेंस करने के लिए ज्वेलरी मिनिमल रखें।

क्या आपका यूरिक एसिड बढ़ा है...

इन संकेतों से पहचानें, जानें बिना दवाई कैसे करें कंट्रोल, क्या खाएं और क्या न खाएं...

आधुनिक शहरी जीवनशैली ने हमें सुख-सुविधाएं तो दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कई ऐसी बीमारियों को भी हमारे घर का हिस्सा बना दिया है जो पहले केवल बढ़ती उम्र की समस्या मानी जाती थीं। इन्हीं में से एक है 'हाई यूरिक एसिड'। गुरुग्राम जैसे महानगरों में, जहाँ खान-पान में प्रोसेस्ड फूड और जंक फूड की अधिकता है, यूरिक एसिड का बढ़ना एक महामारी का रूप ले रहा है। जोड़ों में असहनीय दर्द, सूजन और उठने-बैठने में तकलीफ के पीछे अक्सर बढ़ा हुआ यूरिक एसिड ही जिम्मेदार होता है। नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम के यूरोलॉजी डायरेक्टर डॉ. राजीव गोयल के साथ हुई विस्तृत चर्चा के आधार पर हम इस 'साइलेंट किलर' के हर पहलू को गहराई से समझेंगे।

यूरिक एसिड का विज्ञानः आखिर यह शरीर में बनता कैसे है?

यूरिक एसिड वास्तव में हमारे शरीर की एक सामान्य चयापचय (METABOLIC) प्रक्रिया का उपोत्पाद है। जब हमारा शरीर 'प्यूरिन' नामक कार्बनिक यौगिक को तोड़ता है, तो यूरिक एसिड का निर्माण होता है। प्यूरिन हमारे शरीर की कोशिकाओं में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है और कई खाद्य पदार्थों में भी मौजूद होता है। एक स्वस्थ शरीर में, यह एसिड रक्त में घुल जाता है और किडनी के माध्यम से फिल्टर होकर पेशाब के रास्ते बाहर निकल जाता है। समस्या तब जटिल होती है जब उत्पादन और निष्कासन का यह संतुलन बिगड़ जाता है। यदि शरीर अधिक यूरिक एसिड बना रहा है या किडनी इसे बाहर निकालने में असमर्थ है, तो रक्त में इसका स्तर बढ़ने लगता है, जिसे मेडिकल भाषा में 'हाइपरयूरिसीमिया' कहा जाता है।

यूरिक एसिड बढ़ने के मुख्य कारणः खान-पान से लेकर बीमारियों तक

डॉ. राजीव गोयल बताते हैं कि यूरिक एसिड बढ़ने के पीछे केवल एक कारण नहीं होता। इसके लिए मुख्य रूप से हमारी खराब डाइट और कुछ चिकित्सीय स्थितियां जिम्मेदार होती हैं:

- **प्यूरिन युक्त आहारः** रेड मीट (जैसे मटन), ऑर्गन मीट (कलेजी आदि), और सी-फूड का अत्यधिक सेवन यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ाता है।
- **शर्करा युक्त पेयः** कार्बोनेटेड ड्रिंक्स, सोडा और डिब्बाबंद जूस जिनमें 'फ्रुक्टोज' की मात्रा अधिक होती है, सीधे तौर पर मेटाबॉलिज्म को प्रभावित करते हैं।
- **शराब का सेवनः** बीयर और अन्य नशीले पदार्थ किडनी की कार्यक्षमता को कम करते हैं, जिससे यूरिक एसिड शरीर में ही रुकने लगता है।
- **डिहाइड्रेशनः** शरीर में पानी की कमी होने पर किडनी यूरिक एसिड को फिल्टर नहीं कर पाती।
- **दवाइयां और बीमारियांः** ब्लड प्रेशर की कुछ दवाएं (DIURETICS), मोटापा, डायबिटीज और किडनी की बीमारियां भी इसके स्तर को बढ़ा देती हैं।

शरीर के चेतावनी भरे संकेतः इन 9 लक्षणों को न करें नजरअंदाज

जब शरीर में यूरिक एसिड की मात्रा बढ़ती है, तो वह क्रिस्टल (सूक्ष्म सुई जैसे आकार) बनकर जोड़ों में जमा होने लगता है। इसके प्रमुख संकेत निम्नलिखित हैं:

- **तीव्र जोड़ों का दर्दः** अचानक उठने वाला तेज दर्द, जो अक्सर रात के समय बढ़ जाता है।
- **पैरों के अंगूठे में जलनः** गाउट का सबसे पहला हमला अक्सर पैर के बड़े अंगूठे पर होता है।
- **सूजन और रेडनेसः** प्रभावित जोड़ के आसपास की त्वचा लाल हो जाती है और वहां सूजन आ जाती है।
- **जोड़ों की जकड़नः** सुबह उठते समय जोड़ों को हिलाने-डुलाने में भारी तकलीफ होना।
- **त्वचा का गर्म होनाः** जिस जगह यूरिक एसिड जमा होता है, वहां स्पर्श करने पर गर्मी महसूस होती है।
- **किडनी स्टोनः** यूरिक एसिड के क्रिस्टल किडनी में जमा होकर पथरी का रूप ले लेते हैं।
- **पेशाब में दिक्कतः** पेशाब करते समय जलन होना या पेशाब का रंग गहरा होना।
- **गांठें पड़नाः** लंबे समय तक इलाज न होने पर जोड़ों के पास 'टोफी' (सफेद गांठें) बन सकती हैं।
- **बुखार और बेचैनीः** गंभीर सूजन के कारण शरीर में हल्का बुखार और थकान बनी रह सकती है।

गाउट और परमानेंट डैमेजः बढ़े हुए यूरिक एसिड के जटिल परिणाम

यूरिक एसिड का बढ़ा होना केवल दर्द तक सीमित नहीं है। यदि समय रहते इसे नियंत्रित न किया जाए, तो यह शरीर को स्थायी नुकसान पहुँचा सकता है। इसे 'क्रोनिक गाउट' कहा जाता है। जोड़ों में लगातार जमा होने वाले क्रिस्टल हड्डियों और कार्टिलेज को धीरे-धीरे घिसने लगते हैं, जिससे जोड़ों की बनावट बिगड़ सकती है। इसके अलावा, यूरिक एसिड का सीधा संबंध हृदय रोग और उच्च रक्तचाप से भी पाया गया है। सबसे खतरनाक असर किडनी पर होता है; यूरिक एसिड की पथरी किडनी की कार्यक्षमता को पूरी तरह ठप कर सकती है, जिससे भविष्य में डायलिसिस की नौबत भी आ सकती है।

जांच और सामान्य स्तरः क्या कहता है आपका ब्लड रिपोर्ट?

डॉक्टर यूरिक एसिड के स्तर का पता लगाने के लिए मुख्य रूप से दो टेस्ट की सलाह देते हैं:

- **सीरम यूरिक एसिड ब्लड टेस्टः** यह खून में मौजूद एसिड की मात्रा मापता है। पुरुषों में इसका सामान्य स्तर 3.4 से 7.0 MG/DL और महिलाओं में 2.4 से 6.0 MG/DL के बीच होना चाहिए।
- **24 घंटे का यूरिन टेस्टः** यह टेस्ट यह समझने में मदद करता है कि किडनी यूरिक एसिड को ठीक से बाहर निकाल रही है या नहीं। यदि रिपोर्ट में स्तर बढ़ा हुआ आता है, तो डॉक्टर तुरंत उपचार और डाइट प्लान शुरू करने की सलाह देते हैं।

बिना दवाई के नियंत्रणः प्राकृतिक उपचार और जीवनशैली में बदलाव

डॉ. राजीव गोयल का कहना है कि 70% मामलों में यूरिक एसिड को केवल अनुशासन से ठीक किया जा सकता है।

- **पानी की थेरेपीः** दिन में कम से कम 10-12 गिलास पानी पिएं। पानी पेशाब के जरिए एसिड को पतला करके बाहर निकालने में सबसे प्रभावी है।
- **वजन प्रबंधनः** यदि आप ओवरवेट हैं, तो यूरिक एसिड का स्तर कम करना मुश्किल होगा। नियमित व्यायाम और स्वस्थ वजन इसे कंट्रोल में रखता है।

विटामिन-C का जादूः नींबू पानी, संतरा और आंवला जैसे खट्टे फल यूरिक एसिड को क्रिस्टल बनने से रोकते हैं और किडनी को सहारा देते हैं।

फाइबर का सेवनः अपनी डाइट में ओट्स, दलिया, ब्रोकली और ककड़ी जैसी चीजें शामिल करें जो प्यूरिन को सोखने में मदद करती हैं।

खान-पान की पाबंदियां: क्या बिल्कुल न खाएं?

बढ़े हुए यूरिक एसिड वाले मरीजों के लिए कुछ खाद्यों को 'ब्लैकलिस्ट' करना जरूरी है:

- **मीठे पेयः** पेप्सी, कोला और अत्यधिक मीठे शरबत से तौबा करें।
- **प्रोसेस्ड फूडः** चिप्स, बिस्कुट और पैकेट बंद खाना बंद कर दें।
- **दालें और फलियांः** यदि यूरिक एसिड बहुत ज्यादा है, तो कुछ समय के लिए अरहर और साबुत दालों का सेवन कम करें।
- **पालक और गोभीः** कुछ विशेषज्ञों के अनुसार, उच्च यूरिक एसिड में पालक और मशरूम का सेवन सीमित रखना चाहिए।
- **बेकरी प्रोडक्ट्सः** मैदा और खमीर (YEAST) वाली चीजों से दूर रहें।

कब शुरू करनी चाहिए दवा? डॉक्टर की सलाह का महत्व

यदि खान-पान में सुधार के बाद भी स्तर कम नहीं होता या मरीज को बार-बार गाउट अटैक आ रहे हैं, तो डॉक्टर 'यूरिकोसुरिक' दवाएं देते हैं जो किडनी को अधिक एसिड निकालने में मदद करती हैं या यूरिक एसिड के उत्पादन को ही कम कर देती हैं। याद रखें, यूरिक एसिड की दवा कभी भी बिना डॉक्टरी सलाह के शुरू या बंद नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इसका गलत डोज किडनी पर विपरीत असर डाल सकता है।

बचाव ही सबसे बड़ा इलाज है

यूरिक एसिड कोई लाइलाज समस्या नहीं है, लेकिन यह आपकी लापरवाही पर पलने वाली बीमारी है। संतुलित आहार, पर्याप्त जल सेवन और नियमित शारीरिक गतिविधि इसके खिलाफ सबसे बड़े हथियार हैं। यदि आप अपने जोड़ों का स्वास्थ्य बनाए रखना चाहते हैं, तो प्यूरिन युक्त भोजन से दूरी और सक्रिय जीवनशैली को अपनाना ही एकमात्र रास्ता है।

पैकेज्ड दूध में बैक्टीरिया का खतराः क्या शुद्धता के नाम पर हम जहर पी रहे हैं?

भारतीय रसोई में दूध को 'अमृत' के समान माना जाता है, लेकिन हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक रिपोर्ट ने इस भरोसे को हिलाकर रख दिया है। स्वतंत्र टेस्टिंग प्लेटफॉर्म 'ट्रस्टिफाइड' ने दावा किया है कि भारत की कुछ नामी कंपनियों के पैकेज्ड दूध में कोलिफॉर्म बैक्टीरिया का स्तर तय मानकों से कई गुना ज्यादा पाया गया है। यह रिपोर्ट इसलिए भी गंभीर है क्योंकि इसे 'ब्लाइंड टेस्टिंग' (बिना ब्रांड बताए निष्पक्ष जांच) के जरिए तैयार किया गया है। दूध में इस तरह के बैक्टीरिया की मौजूदगी सीधे तौर पर डेयरी यूनिट्स की हाइजीन और प्रोसेसिंग में बड़ी लापरवाही की ओर इशारा करती है।

क्या होता है कोलिफॉर्म बैक्टीरिया और यह दूध में कैसे आता है?

कोलिफॉर्म बैक्टीरिया सूक्ष्मजीवों का एक समूह है जो आमतौर पर इंसानों और जानवरों के मल, मिट्टी, दूषित पानी और गंदगी में पाए जाते हैं। दूध में इसका मिलना इस बात का संकेत है कि दूध किसी न किसी स्तर पर दूषित पानी या गंदगी के संपर्क में आया है। यह बैक्टीरिया जानवरों का दूध निकालते समय, प्लांट में प्रोसेसिंग के दौरान या पैकेजिंग के वक्त सफाई का ध्यान न रखने के कारण पैदा होते हैं। यदि दूध में कोलिफॉर्म का स्तर अधिक है, तो यह ई-कोली जैसे खतरनाक जीवाणुओं की मौजूदगी का भी संकेत हो सकता है, जो सेहत के लिए अत्यंत हानिकारक हैं।

स्वास्थ्य पर जोखिमः बच्चों और बुजुर्गों के लिए बड़ा खतरा : दूध में मानक से अधिक बैक्टीरिया होने का सीधा मतलब है कि वह 'फूड पॉइजनिंग' का कारण बन सकता है। इसके सेवन से पेट दर्द, दस्त, उल्टी और आंतों में संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं। डॉ. राजीव गोयल के अनुसार, कमजोर इम्यूनिटी वाले लोग जैसे—छोटे बच्चे, बुजुर्ग, गर्भवती महिलाएं और गंभीर बीमारियों से पीड़ित लोग—इसके हाई-रिस्क जोन में आते हैं। ऐसे लोगों में मामूली सा संक्रमण भी गंभीर रूप ले सकता है, जिससे डिहाइड्रेशन या किडनी पर असर पड़ने की संभावना बनी रहती है।

मिलावट का काला खेल और सरकारी सख्ती : डेयरी प्रोडक्ट्स पर उठते सवालों के बीच हाल ही में गुजरात और राजस्थान जैसे राज्यों में बड़े स्तर पर छापेमारी हुई है। वहां अवैध यूनिट्स में दूध के नाम पर पानी, मिल्क पाउडर, कास्टिक सोडा, तेल, डिटर्जेंट और यूरिया का 'जहरीला कॉकटेल' तैयार किया जा रहा था। इन घटनाओं के बाद भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने सैंपल लेने और जांच की प्रक्रिया को तेज कर दिया है। हालांकि, ब्रांड्स को भी अपनी क्वालिटी कंट्रोल टीम को जवाबदेह बनाने की जरूरत है ताकि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ न हो।

उपभोक्ताओं के लिए सुरक्षा मंत्रः कैसे रखें दूध को सेफ? : जागरूक उपभोक्ता बनकर ही इस खतरे को टाला जा सकता है। पैकेज्ड दूध खरीदते समय हमेशा पैकेट पर 'एक्सपायरी डेट' और FSSAI का लोगो जरूर चेक करें। पैकेट कहीं से भी फूला हुआ या लीक नहीं होना चाहिए। सबसे जरूरी बात यह है कि घर लाते ही दूध को अच्छी तरह उबालें। बैक्टीरिया उच्च तापमान सहन नहीं कर पाते और उबालने से संक्रमण का खतरा काफी कम हो जाता है। लेकिन ध्यान रहे, उबालने के बाद दूध को साफ बर्तनों में ही रखें और उसे दूषित हाथों या गंदी जगह के संपर्क में न आने दें।

तारिक रहमान बोले-भारत से रिश्तों में बांग्लादेश का हित जरूरी

चीन डेवलपमेंट में सहयोगी, हसीना की वापसी पर कहा- कानून अपना काम करेगा

ढाका/नई दिल्ली (राजधानी चौपाल)| बांग्लादेश के आम चुनावों में मिली ऐतिहासिक जीत के बाद 'बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी' (BNP) के अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को पहली बार दुनिया के सामने अपनी विदेश नीति और देश के भविष्य का रोडमैप रखा। ढाका में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान रहमान ने साफ कर दिया कि नई सरकार के तहत बांग्लादेश अब अपनी संप्रभुता और आर्थिक हितों को केंद्र में रखकर आगे बढ़ेगा। भारत के साथ संबंधों से लेकर चीन की भूमिका तक, रहमान के बयानों ने दक्षिण एशिया की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है।

भारत-बांग्लादेश के भविष्य के रिश्तों पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए तारिक रहमान ने कूटनीतिक रुख अपनाया। उन्होंने कहा, "हम भारत सहित सभी पड़ोसियों के साथ बेहतर संबंध चाहते हैं, लेकिन हमारे लिए बांग्लादेश के राष्ट्रीय हित सर्वोपरि होंगे।" वहीं, चीन को लेकर उनके सुर काफी नरम रहे। रहमान ने चीन को बांग्लादेश के विकास का एक अनिवार्य हिस्सा बताते हुए कहा कि चीन ने बुनियादी ढांचे और विकास परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में भी दोनों देश मिलकर काम करते रहेंगे। जानकारों का मानना है कि रहमान का यह बयान बांग्लादेश की नई सरकार के 'प्रो-चीन' झुकाव का संकेत हो सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना, जो वर्तमान में भारत में शरण लिए हुए हैं, के प्रत्यर्पण को लेकर रहमान ने स्पष्ट किया कि यह कोई राजनीतिक बदला लेने का विषय नहीं है। उन्होंने कहा, "हसीना को वापस लाने का मामला पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया और द्विपक्षीय संधियों पर निर्भर करेगा। कानून अपना काम करेगा और हम न्याय के सिद्धांतों का पालन करेंगे।"

क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रहमान ने एक बड़ा विजन पेश किया।

उन्होंने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) की नींव बांग्लादेश ने ही रखी थी और अब वक्त आ गया है कि इसे फिर से सक्रिय किया जाए। उन्होंने वादा किया कि सरकार बनने के बाद वे सदस्य देशों (भारत, पाकिस्तान सहित अन्य) से बात करेंगे ताकि क्षेत्रीय व्यापार और सुरक्षा को मजबूती मिल सके।

आंतरिक चुनौतियां: अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र की बहाली

तारिक रहमान ने स्वीकार किया कि डेढ़ दशक के शासन के बाद उन्हें विरासत में एक 'कमजोर अर्थव्यवस्था' और 'ध्वस्त कानून-व्यवस्था' मिली है। उन्होंने देशवासियों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा:

- **सच्ची आजादी:** डेढ़ दशक बाद जनता के सीधे वोट से एक जवाबदेह सरकार बनी है।
- **राष्ट्रीय एकता:** विचार अलग हो सकते हैं, लेकिन देश के हित में बंटवारा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।
- **तानाशाही पर लगाम:** रहमान ने कसम खाई कि वे ऐसी व्यवस्था बनाएंगे जहाँ कोई भी ताकत दोबारा तानाशाह न बन सके।

ब्रिटेन में 30वां ऑर्किड फेस्टिवल... फूलों से बना ड्रैगन; ऑर्किड की 1000 प्रजातियां, कई दुर्लभ हैं

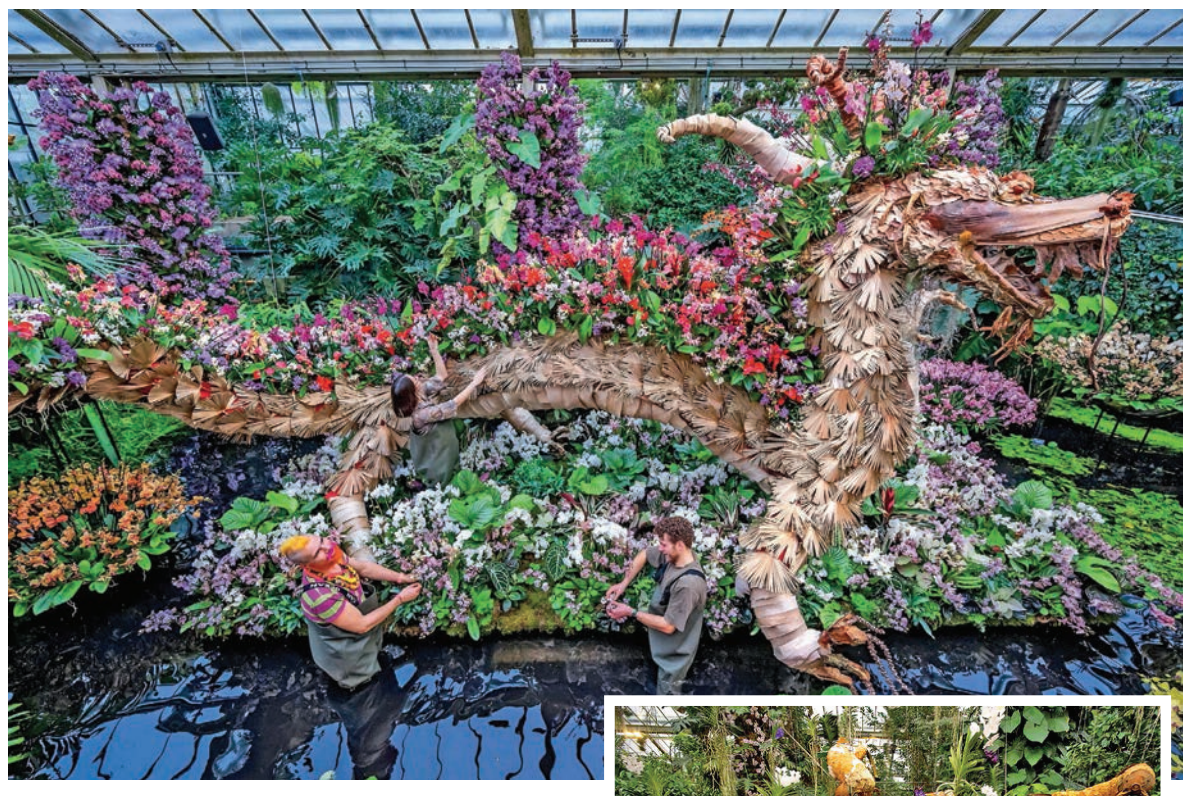

लंदन| ब्रिटेन के रॉयल बॉटनिकल गार्डन्स में शनिवार से 30वां वार्षिक ऑर्किड फेस्टिवल शुरू हो रहा है। प्रिंसेस ऑफ वेल्स कंजरवेटरी में मुख्य आकर्षण तस्वीर में दिख रहा विशाल ड्रैगन है। इसे कमल के बीजों और ऑर्किड फूलों से तैयार किया गया है। हर साल यहां अलग-अलग देशों की थीम पर यह फेस्टिवल मनाया जाता है। इस साल फेस्टिवल की थीम 'चीन' रखी गई है। ड्रैगन के अलावा जिन्कगो की पत्तियों से बनी 9 मछलियां और पांडा की आकृतियां भी सजाई गई हैं। चीन में ऑर्किड की 1700 से ज्यादा प्रजातियां हैं, जिनमें से करीब 1000 यहां प्रदर्शित करने की योजना है। इनमें कई दुर्लभ होती हैं। यह फेस्टिवल 8 मार्च तक चलेगा।

SMS अस्पताल जयपुर में 24 घंटे में दूसरी बार लगी आग: जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल में रविवार दोपहर 12 बजे फिर आग लग गई। गनीमत ये रही कि जहां आग वहां कोई स्टाफ या मरीज मौजूद नहीं था।

ट्रम्प बोले- वेनेजुएला में सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया : रूस-चीन के डिफेंस सिस्टम फेल हो गए

वॉशिंगटन डीसी (राजधानी चौपाल) | अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को कहा कि वेनेजुएला में 3 जनवरी को हुए सैन्य ऑपरेशन में अमेरिका ने एक सीक्रेट हथियार का इस्तेमाल किया। ट्रम्प के मुताबिक इस हथियार की वजह से रूस और चीन के डिफेंस सिस्टम काम नहीं कर पाए। नॉर्थ कैरोलिना के फोर्ट ब्रैग सैन्य बेस पर सैनिकों को संबोधित करते हुए ट्रम्प ने इस हथियार को 'डिसकम्बोबुलेटर' कहा। हालांकि उन्होंने इसके बारे में ज्यादा जानकारी देने से इनकार किया।

ट्रम्प ने कहा वेनेजुएलाई सैनिकों को एक भी गोली चलाने का मौका नहीं मिला। रूसी उपकरण काम नहीं किए। चीनी उपकरण काम नहीं किए। सब यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि ऐसा क्यों हुआ। एक दिन आपको इसके बारे में पता चलेगा। यह पहली बार है जब ट्रम्प ने किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में इस सीक्रेट हथियार का जिक्र किया है। इससे पहले वह एक बार जिक्र कर चुके थे। पिछले हफ्ते न्यूयॉर्क पोस्ट को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, "मुझे इसके बारे में बात करने की अनुमति नहीं है। लेकिन इतना बता दूं, सब कुछ गड़बड़ा दिया गया था।'

अमेरिकी जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन एयर फोर्स जनरल डैन केन के मुताबिक, वेनेजुएला पर हमले के लिए 20 ठिकानों से 150 से ज्यादा विमानों ने उड़ान भरी। इनमें बॉम्बर्स, फाइटर जेट, इंटेलिजेंस और सर्विलांस प्लेटफॉर्म शामिल थे। इस ऑपरेशन में अमेरिकी सैनिक रात के अंधेरे में हेलिकॉप्टर से वेनेजुएला की राजधानी कराकास पहुंचे। उन्होंने भारी सुरक्षा के बीच तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार किया। वेनेजुएला के अधिकारियों के मुताबिक, हमले की शुरुआत अमेरिकी बमबारी से हुई थी, जिसमें सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इस कार्रवाई में 83 लोगों की मौत हुई और 112 से ज्यादा लोग घायल हुए।

ट्रम्प ने बताया कि किसी भी अमेरिकी सैनिक की मौत नहीं हुई, लेकिन तीन हेलिकॉप्टर पायलट घायल हुए हैं। अमेरिका पर वेनेजुएला में सोनिक हथियार इस्तेमाल करने का आरोप लगा है। न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, इस ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने एक बेहद शक्तिशाली और अब तक न देखे गए हथियार का इस्तेमाल किया, जिससे वेनेजुएला के सैनिक पूरी तरह बेबस हो गए थे।

एक वेनेजुएलाई सिक्योरिटी गार्ड ने पिछले महीने बताया कि ऑपरेशन शुरू होते ही उनके सभी रडार सिस्टम अचानक बंद हो गए। इसके कुछ ही सेकेंड बाद उन्होंने आसमान में बड़ी संख्या में ड्रोन उड़ते देखे। गार्ड के मुताबिक, उन्हें समझ ही नहीं आया कि इस हालात में क्या किया जाए।

गार्ड ने आगे दावा किया कि ऑपरेशन के दौरान अमेरिकी सेना ने एक सीक्रेट इक्विपमेंट का इस्तेमाल किया। यह किसी बहुत तेज आवाज या तरंग (साउंड वेब) जैसा था। इसके तुरंत बाद उसे ऐसा महसूस हुआ जैसे उसका सिर अंदर से फट रहा हो।

मेडिकल की तैयारी : 4 साल की उम्र से ही साउथ कोरिया में 80% बच्चे कर रहे कोचिंग

सियोल (राजधानी चौपाल)| ली क्यॉन्ग मिन की जिंदगी लंबे समय तक एक ही धुरी पर घूमती रही। अपनी बेटियों को स्कूल से हागवॉन, फिर घर तक पहुंचाना। यह दिनचर्या लगभग हर माता-पिता की है, जो बच्चों को दक्षिण कोरिया की शीर्ष यूनिवर्सिटी में प्रवेश दिलाना चाहते हैं। हागवॉन, यानी निजी कोचिंग संस्थान, इस दौड़ का अहम हिस्सा हैं, जहां बच्चे मैथ, कोरियन व अंग्रेजी पढ़ते हैं ताकि कठिन एंट्रेंस में सफल हो सकें।

ली ने बच्चों की पढ़ाई की खातिर विज्ञापन जगत को छोड़ दिया। पति फाइनेंस से जुड़े हैं... दोनों ने बेटियों को सबसे अच्छी कोचिंग में दाखिल करवाया। सातों दिन बाकी माता-पिता की तरह वे भी देर रात तक कैफे में बैठकर इंतजार करती थीं। उन्होंने कई बार बच्चों को कैफे में ही होमवर्क और डिनर करते फिर अगली क्लास की ओर भागते देखा। यह दृश्य उन्हें झकझोर देता था, क्योंकि यह शिक्षा व्यवस्था बच्चों की मासूमियत व परिवार की शांति दोनों को निगल रही थी।

द. कोरिया में 80% स्कूली बच्चे किसी न किसी रूप में कोचिंग लेते हैं। सरकारी डाटा के अनुसार, 2024 में यह बाजार 1.84 लाख करोड़ रु. तक पहुंच गया। सियोल के कुछ इलाकों में तो 4 साल के बच्चों को इंग्लिश प्री-स्कूल के लिए एंट्रेंस टेस्ट देना पड़ता है। 2013 में ली ने अपनी बेटियों को 4 और 5 साल की उम्र में इंग्लिश प्री-स्कूल में प्रवेश दिलवाया। फिर उन्हें गंगनम के डैची इलाके के हागवॉन भेजा, जहां 1,200 कोचिंग सेंटर हैं। यहां प्रवेश से पहले 'टेस्ट' देना पड़ता है।

सियोल में पढ़ाई का दबाव साफ दिखता है। यहां ऐसे स्टडी कैफे हैं जहां छात्रों के फोन जब्त कर लिए जाते हैं ताकि वे ध्यान से पढ़ सकें। कुछ क्लिनिक दिमाग तेज करने वाले इलाज का दावा करते हैं। सड़कों पर 'थेरेपी जोन' साउंडप्रूफ केबिन बने हैं, जहां छात्र शांति से पढ़ सकते हैं या चीखकर तनाव निकाल सकते हैं।

भारतीय पासपोर्ट मजबूत, रैंकिंग 5 पायदान सुधरी

56 देशों में वीजा फ्री एंट्री; पाकिस्तान की पोजिशन फिलिस्तीन से भी नीचे

नई दिल्ली (राजधानी चौपाल) | भारतीय पासपोर्ट की रैंकिंग में सुधार हुआ है। लेटेस्ट हेनले पासपोर्ट इंडेक्स (फरवरी 2026) के अनुसार, अब भारत का पासपोर्ट दुनिया के सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट्स की सूची में 75वें स्थान पर पहुंच गया है।

साल की शुरुआत में यह 80वें स्थान पर था, यानी हाल ही में इसमें 5 स्थानों का सुधार हुआ है। इससे पहले 2025 में यह 85वें स्थान पर था, जिससे कुल मिलाकर 10 स्थानों की छलांग लगी है।

हेनले पासपोर्ट इंडेक्स दुनिया भर के लगभग 200 देशों के पासपोर्ट को रैंक करता है। यह रैंकिंग इस बात पर आधारित होती है कि उस देश के पासपोर्ट धारक कितने देशों में बिना वीजा के या वीजा ऑन अराइवल के साथ जा सकते हैं। भारतीय पासपोर्ट धारकों को अब 56 देशों में वीजा-फ्री या वीजा ऑन अराइवल की सुविधा मिलती है। यह रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (IATA) के ट्रैवल आंकड़ों के आधार पर तैयार की जाती है। इस इंडेक्स में पाकिस्तानी पासपोर्ट 97वें नंबर है। उसकी पोजिशन फिलिस्तीन (91), नार्थ कोरिया (94) और सोमालिया (96) से भी नीचे हैं।

नई रैंकिंग में सुधार का मतलब है कि भारतीय नागरिकों के लिए विदेश यात्रा पहले से आसान हुई है। छुट्टियों, कारोबार और सांस्कृतिक यात्राओं के लिए अब ज्यादा सुविधाएं मिलेंगी। एशिया, कैरेबियन, अफ्रीका और ओशिनिया के कई देश भारतीयों को आसान वीजा सुविधा दे रहे हैं।

भारत की रैंकिंग पिछले दस साल में लगातार ऊपर-नीचे होती रही है। साल 2006 में भारत 71वें पायदान पर था, जो उसकी अब तक की सबसे अच्छा पोजिशन थी। इसके बाद रैंकिंग गिरती गई और पिछले साल लो 85वें स्थान पर पहुंच गई थी। 2026 की शुरुआत में भारत 80वें पायदान पर आया और अब 75वें स्थान पर पहुंच गया है।

इमरान की एक आंख की 85% रोशनी खत्म:कोर्ट के ऑर्डर पर हुई जांच

ढाका (राजधानी चौपाल)| पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की करीब 85% रोशनी चली गई है। यह खुलासा पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हुई जांच में हुआ है। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से नियुक्त वकील सलमान सफदर ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि इमरान खान जेल प्रशासन से कई महीनों आंखों में धुंधलापन होने की शिकायत कर रहे थे। अक्टूबर 2025 तक उनकी नजर सामान्य थी, लेकिन बाद में दाईं आंख की रोशनी अचानक चली गई। जांच के दौरान पिम्स अस्पताल के एक आई एक्सपर्ट को बुलाया गया। डॉक्टरों ने पाया कि उनकी आंख में खून का थक्का जम गया था, जिससे गंभीर नुकसान हुआ। इलाज और इंजेक्शन देने के बाद भी उनकी दाईं आंख में अब सिर्फ लगभग 15% रोशनी बची है।

दावा-किम जोंग ने 13 साल की बेटी को उत्तराधिकारी चुना : बीजिंग दौरे पर पिता के साथ दिखी थीं

सिओल (राजधानी चौपाल)| उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी 13 साल की बेटी किम जू ऐ को अपना उत्तराधिकारी चुन लिया है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने गुरुवार को सांसदों को दी गई जानकारी में यह दावा किया। दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस (NIS) ने कहा कि किम जू ऐ की लगातार बढ़ती सार्वजनिक मौजूदगी को देखते हुए यह आकलन किया गया है। NIS ने कहा कि उसने "कई परिस्थितियों" को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला है। इनमें आधिकारिक कार्यक्रमों में किम जू ऐ की प्रमुख उपस्थिति भी शामिल है। हाल के महीनों में जू ऐ कई बड़े कार्यक्रमों में अपने पिता के साथ नजर आई हैं। सितंबर में बीजिंग दौरे के दौरान भी वह किम जोंग उन के साथ दिखी थीं। यह उनका पहला विदेशी दौरा था, जिसकी जानकारी सामने आई। NIS ने यह भी कहा है कि वह इस बात पर नजर रखेगी कि क्या जू ऐ इस महीने होने वाली पार्टी सम्मेलन में शामिल होती हैं। यह उत्तर कोरिया का सबसे बड़ा राजनीतिक कार्यक्रम है, जो हर पांच साल में एक बार होता है। इसी पार्टी सम्मेलन में प्योंगयांग अगले पांच साल के लिए अपनी प्राथमिकताओं जैसे- विदेश नीति, युद्ध की तैयारी और परमाणु कार्यक्रम पर विस्तार से जानकारी दे सकता है।

RNI No. HARHIN/25/A3341, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी एवं संपादक राहुल कुमार द्वारा सूचना प्रिंटर्स 33एस मॉडल टाउन, हिसार से छपवाकर कार्यालय आदमपुर मंडी हिसार, (किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र हिसार न्यायालय होगा)।
संपादक : राहुल कुमार, फोन : 9306813001, e-mail : rajdhanichoupal@gmail.com, प्रकाशन स्थल : मकान संख्या : 114, शांति पार्क के पास, मंडी आदमपुर, हिसार (हरियाणा)